

डॉ. बिल मौस, माउंट पर उपदेश व्याख्यान 8, मैथ्यू 5:31 और उसके बाद, महान धार्मिकता के कार्य, भाग 3

© बिल मौस और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बिल माउंट्स द्वारा माउंट पर उपदेश देते हुए दिया गया है। यह सत्र 8, मैथ्यू 5:31 और उसके बाद, महान धार्मिकता के कार्य, भाग 3 है।

आप जानते हैं, जब मैं यह कर रहे हैं, तो मैं आपके प्रश्न का उत्तर देने जा रहा हूँ। मैं पहले ही भूल गया हूँ कि यह किसने पूछा था।

एनआईवी। ओह, हाँ। आप समझ गए। मुझे एनआईवी के बारे में कुछ कहना है और क्या किशोर IV ने इसे स्थायी रूप से प्रभावित किया है।

शुरू से ही, NIV के चार्टर में लगातार अपडेट करने की बात कही गई है, और इसलिए समिति की बैठक हर गर्मियों में कम से कम एक सप्ताह के लिए होती है। और इसलिए, अपडेट करने की इच्छा, जो कुछ नया नहीं है, वह वही है जो वे हमेशा करते आए हैं। और कहीं पहले, जब मैं समिति में शामिल नहीं हुआ था, तब यह तर्क दिया गया था कि भाषा इतनी बदल रही है कि हमें NIV को बदलने पर विचार करना शुरू कर देना चाहिए।

और मेरे खयाल से उन्होंने बहुत ही खराब काम किया। उन्हें 'वह' और 'आदमी' से छुटकारा पाना था, इसलिए उन्होंने बहुवचन का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। और इसलिए, प्रकाशितवाक्य 3.20 एक पोटलक है।

मैं उनके साथ आऊंगा और उनके साथ खाऊंगा, और वे मेरे साथ रहेंगे। और उन्होंने चीजों को बहुवचन में बदल दिया, मेरा मतलब है कि तीसरे से दूसरे व्यक्ति में। मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत सारी गलतियाँ कीं।

इसलिए, जब वे कोशिश कर रहे थे, और बहुत से लोगों ने कहा, अच्छा, इसका क्या मतलब है? मुद्दा यह है कि अंग्रेजी बदल रही है, और अगर आपको नहीं लगता कि अंग्रेजी बदल रही है, तो आप वास्तव में नहीं जानते कि अंग्रेजी बोलने वाली दुनिया में क्या हो रहा है। यह आपके संदर्भ में नहीं बदल रहा हो सकता है, लेकिन यह हर जगह बदल रहा है। डॉन कार्सन यह कहने के लिए प्रसिद्ध थे, अगर मैंने पुरानी एनआईवी ली, डॉन कार्सन को धर्मनिरपेक्ष स्कूलों में जाना और लोगों से बहस करना पसंद है।

उन्होंने बहुत बड़ी बहसें शुरू कीं। और उन्होंने कहा, अगर मैं NIV 84 पढ़ता हूँ, जिसमें एक पुरुष और एक उसका है, तो मैं बहस हार गया हूँ। यह सब खत्म हो गया है।

मेरी बेटी, जो पीएचडी की छात्रा है, हमेशा मुझे किसी के द्वारा बनाया गया नवीनतम तृतीय विभक्ति सर्वनाम बताती रहती है। Z अगला है। ZHE.

बेवकूफ़ाना शब्द। तो, उन्होंने TNIV किया, इसलिए नहीं कि वे उदारवादी हैं, इसलिए नहीं कि वे नारीवादी हैं। हे भगवान, डग मू को पूरक पद पर खूब प्रकाशित किया गया है।

लेकिन उदारवादी और नारीवादी होने के सभी तरह के आरोप हैं, और उनमें से बिल्कुल भी सच नहीं है। उनमें से बिल्कुल भी सच नहीं है। वे विश्वास करते हैं, और उनके पास इसे साबित करने के लिए सबूत हैं क्योंकि मैंने सबूत देखे हैं कि भाषा बदल रही है।

विश्वव्यापी भाषा। NIV हमेशा दुनिया की अंग्रेजी के लिए लिखी गई थी। दक्षिणी अंग्रेजी नहीं, उत्तरी अंग्रेजी नहीं, दुनिया की अंग्रेजी।

खैर, TNIV वाकई बहुत भयानक था। मैं इसके खिलाफ़ हस्ताक्षर करने वालों में से एक था। यह बहुत बुरा था।

और बहस में जो हुआ वह यह कि लोगों ने अनुवादक के इरादों पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। आप कभी भी इरादों पर सवाल नहीं उठा सकते। आपको नहीं पता कि वे क्या हैं।

अकादमिक बहस में यह मायने नहीं रखता कि मकसद क्या है। आपको तथ्यों से निपटना होगा। और इसलिए मैं प्रदर्शनकारियों की उस सूची से अपना नाम हटाने वाला एकमात्र व्यक्ति हूँ।

मैं इसे उतार दूंगा, इसलिए मैं इसे वापस लगाऊंगा। मैं इसे उतारूंगा और फिर लगाऊंगा। इसलिए जब जॉर्डरवन के अध्यक्ष मो गेरकेन ने कहा कि एनआईवी खत्म हो रहा है, तो हमें कुछ करना होगा, यहाँ हम क्या करने जा रहे हैं।

हम इसे खत्म करने जा रहे हैं। हम TNIV को खत्म करने जा रहे हैं। और 1 अक्टूबर को, मुझे परवाह नहीं है कि समिति कहाँ है, वह 2011 है, हम किंग जेम्स की 400वीं वर्षगांठ पर आने वाले हैं।

इसलिए, उन्होंने मुझे एक मित्रवत आलोचक के रूप में आमंत्रित किया क्योंकि मैं ESV पर 10 साल से था। NIV से मेरा परिचय व्हिस्लर में तीन सप्ताह तक बंद रहने से हुआ; अगर आपको कहीं बंद होना पड़े, तो BC में व्हिस्लर बंद होने के लिए एक अच्छी जगह है, और आपको सभी लिंग भाषा का ध्यान रखना पड़ता है। और यह बहुत कठोर था।

यह बहुत कठोर था। लेकिन हमने इसे किया, और फिर यह 2011 बन गया। ऐसे लोग हैं जो 2011 से प्यार करते हैं, ऐसे लोग हैं जो इससे नफरत करते हैं, यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप शब्द वे को कैसे संभालते हैं।

और अंग्रेजी शिक्षकों को यह पसंद नहीं है। जॉर्डरवन ने कोलिन्स डिक्शनरी के लोगों के साथ एक चौथाई मिलियन डॉलर खर्च किए, और उन्होंने व्यापक अंग्रेजी में सवाल पूछा: अंग्रेजी कहाँ

जा रही है? और यह अकाट्य सबूत है कि वे पसंदीदा सर्वनाम बन रहे हैं। मैंने डेटा देखा है, और यह अकाट्य है।

अजेय। यह सही अंग्रेजी बन रही है, ठीक वैसे ही जैसे शेक्सपियर के दिनों में थी। मैं बोलते समय हमेशा इनका इस्तेमाल करता हूँ।

कोई भी इसे नहीं उठाता। मैंने इसे आप लोगों के साथ इस्तेमाल किया है, और मुझे संदेह है कि आपने इसे उठाया भी होगा। अब, समस्या यह है।

लिखित भाषा, बोली जाने वाली भाषा हमेशा लिखित भाषा से आगे होती है। इसलिए, जब हम सुनते हैं, जब हम इसे देखते हैं, तो यह थोड़ा अधिक परेशान करने वाला हो सकता है। लेकिन हम लिखित पाठ में उन्हें ठीक से संभाल लेते हैं।

आपको कुछ जगहें ऐसी मिलती हैं, जहाँ कोई भी व्यक्ति जो सुनने के लिए कान रखता है, उसे सुनने दें। यही समस्या है। एक बार जब आप उनसे प्रतिबद्ध हो जाते हैं, तो आप उनसे प्रतिबद्ध हो जाते हैं।

उनका केवल बहुवचन है। अंग्रेजी में इतना बदलाव नहीं आया है कि उन्हें अनिश्चित बनाया जा सके। और इसलिए मेरा एक प्रस्ताव है, मैं वापस जाकर कहूँगा, जिस किसी के पास सुनने के लिए कान हैं, वह सुन ले।

अंग्रेजी में, उनका एकमात्र पूर्ववर्ती कान है। व्याकरणिक रूप से यह कुछ और नहीं हो सकता। लेकिन पाठ का मतलब यह नहीं है।

यह कोई भी हो सकता है, किसी को भी सुनने दें, है न? लेकिन चूँकि आपके पास कान हैं, बहुवचन, आप उन्हें मारते हैं; वे वापस कानों में चले जाते हैं। और कोई शब्द नहीं है, हालाँकि इसे बनाया जाएगा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है। अब, 10 साल में, यह बहस खत्म हो जाएगी।

मेरा मतलब है, सर्वनामों के साथ हमारी भाषा में परिवर्तन की दर खगोलीय है। शायद यहाँ नीचे, यह निश्चित रूप से होगा, आप सभी बदलने वाले अंतिम व्यक्ति होंगे। मेरा मतलब है, सभी संख्याएँ यह दर्शाती हैं, सभी संख्याएँ यह दर्शाती हैं।

लेकिन यार, अगर आप कॉलेज कैंपस में संवाद करना चाहते हैं, तो आप अटलांटा जाइए; अगर आप कॉलेज कैंपस में संवाद करना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप 'ये' न कहें क्योंकि वे आपको इस तरह से बंद कर देंगे। और यह न तो अच्छा है और न ही बुरा; भाषा बदल जाती है। क्या यह अच्छा होगा अगर भाषा कभी न बदले? बिल्कुल।

क्या दुनिया के इतिहास में कभी कोई ऐसी भाषा रही है जो नहीं बदली? नहीं। चीनी भी नहीं। मैं हमेशा से यही सोचता रहा हूँ कि चीनी भाषा पिछले 3,000 सालों से एक जैसी ही है।

मेरे चीनी दोस्त मुझ पर हंसे। तो, आप वास्तव में चीनी भाषा नहीं जानते। इसमें बहुत सारे बदलाव हुए हैं।

समस्या यह है कि TNIV इतनी खराब तरीके से तैयार की गई थी, और उसमें झूठ और छल-कपट दिखाई दिया, कि इसे आगे भी जारी रखा गया। बिक्री के मामले में NIV अभी भी नंबर एक बाइबल है। NLT वास्तव में अपनी जगह बना रही है क्योंकि NIV ESV और NLT के बीच असहज भूमिका निभाती है।

एनएलटी को प्राकृतिक भाषा कहा जाता है। उन्हें इस बात की बिल्कुल भी परवाह नहीं है कि इसमें कितने ग्रीक शब्द हैं, चाहे वे कृदंत हों या कुछ और। वे इसे वैसे ही बोलेंगे जैसे आप अंग्रेज़ी में बोलते हैं।

ईएसवी का मतलब है कि हम अर्थ के बारे में ज़्यादा परवाह नहीं करते; हम सिर्फ़ सही शब्दों पर ही टिके रहेंगे। दोनों में ही मूल्य है। एनआईवी एक असहज स्थिति में है।

तो, हमारे लिए, सवाल यह है कि क्या हम भाषा में होने वाले विकास का इंतज़ार कर सकते हैं? क्योंकि अनुमान है कि लगभग 10 सालों में, भाषा पूरी तरह बदल चुकी होगी। हम देखेंगे। मैं गलत भी हो सकता हूँ।

लेकिन हाँ, TNIV की लागत लाखों-करोड़ों डॉलर है, इसमें कोई संदेह नहीं है। और यह एक भयानक अनुवाद था, मुझे लगता है। चूँकि ESV इसका पालन करने का दावा करता है, इसलिए कभी-कभी यह अनिवार्य रूप से अच्छा होता है।

वे इसके कुछ तथ्यों को ध्यान में रखने की कोशिश कर रहे हैं, शायद सर्वनाम तथ्यों को नहीं, लेकिन इस तथ्य को कि आज की भाषा में इस शब्द का मतलब वही है जो इसका मतलब है। हाँ, इसका कुछ प्रयास किया गया है। और RSV में, कई बार ऐसा हुआ कि ग्रीक में एंथ्रोपोस न होने पर मैन शब्द का इस्तेमाल किया गया।

हमने RSV में कुछ हज़ार पुरुष-उन्मुख संदर्भों को हटा दिया जो ग्रीक में परिलक्षित नहीं थे। इसलिए, ESV ने संवेदनशील होने की कोशिश की, लेकिन इसमें एनाफोरिक हे का इस्तेमाल किया गया। यह किसी चीज़ को संदर्भित करने के लिए हे का उपयोग करता है, चाहे उसका लिंग कुछ भी हो, जिससे अनुवाद बहुत आसान हो जाता है।

लेकिन मेरा मतलब है, ESV उन लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अध्ययन करने के इच्छुक हैं। और इसका मतलब यह है कि अगर हमें लगा कि हमारा अनुवाद गलतफहमी की ओर ले जाएगा, तो हम बहुत जल्दी व्याख्या करते हैं। ESV का सबसे अधिक व्याख्यात्मक अर्थ यह है कि जो लोग ईश्वर से पैदा हुए हैं, वे पाप में नहीं रहते हैं, ESV कहता है।

यह वर्तमान काल का बिल्कुल वैध अनुवाद है, लेकिन हम पूर्णतावाद के बारे में इतने चिंतित थे कि हम पाप कहना और उसे बढ़ावा देना नहीं चाहते थे। लेकिन इसके अलावा, ESV वास्तव में

तब तक चलने की कोशिश करता है जब तक कि यह शब्दशः कुछ अर्थ व्यक्त करता है। तो, वैसे भी, अनुवाद एक अद्भुत प्रक्रिया है।

यह उससे कहीं ज़्यादा जटिल है जितना कि मैं, एक ग्रीक प्रोफेसर के तौर पर, कभी नहीं जान पाया। ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना होगा। और अभी अंग्रेजी भाषा का विखंडन बहुत, बहुत मुश्किल है।

बहुत मुश्किल है। अपने सवाल का जवाब दें। उसे बताएं कि TNIV को सही तरीके से मार दिया गया और दफना दिया गया, और इसका TNIV पर चल रहे काम पर कोई असर नहीं है। मैंने कभी किसी को यह कहते नहीं सुना कि, ठीक है, हमने लिंग भाषा के संदर्भ में TNIV में ऐसा किया।

हमने TNIV में यही किया था, इसलिए हमें वास्तव में इसी पर कायम रहना चाहिए। मैंने कभी नहीं सुना, मैं चार साल से समिति में हूँ। इस पर कभी कोई बहस नहीं हुई।

टीएनआईवी में व्याख्यात्मक रूप से बहुत सारे अच्छे बदलाव हुए, जो लिंग भाषा से संबंधित नहीं थे। और उनमें से अधिकांश को इसलिए रहने दिया गया क्योंकि वे अच्छे बदलाव थे। लेकिन समिति पर कोई दबाव नहीं है, क्योंकि वास्तव में जिन लोगों ने बहुत जोर दिया, वे यह है, क्या मुझे रिकॉर्ड किया जा रहा है, मेट? ठीक है।

समय के साथ समितियाँ बदलती रहती हैं, और मैं अभी TNIV में बहुत सहज हूँ। मैं आपको एक उदाहरण देता हूँ कि अनुवाद कितना कठिन है। एहूद।

वह जज कौन है जिसने मोटे आदमी को चाकू मारा? एहूद ने चाकू मारा, है न? एग्लोन राजा था, और एहूद जज था। ठीक है। मैंने अभी कहा, और मैं भूल गया कि आपने क्या कहा। एग्लोन राजा है, है न? क्या आप जानते हैं कि एग्लोन मोटा नहीं था? यह शब्द का मतलब नहीं है।

यह शब्द का अर्थ नहीं हो सकता क्योंकि आप जानते हैं कि इसी हिब्रू शब्द से किसका वर्णन किया गया था? डैनियल, शाकाहारी। इस शब्द का अर्थ है स्टड।

इसका मतलब है एक मज़बूत आदमी। एक ऐसा आदमी जो लड़ाई में खुद को संभाल सके। मज़बूत।

और देखिए, यह वास्तव में महत्वपूर्ण है क्योंकि जज ने किसी मोटे-ताजे आदमी को नहीं मारा। उसने अपना पक्ष बदल लिया, वह बाएं हाथ का था, इसलिए उसकी तलवार उस तरफ थी जिसकी वे जांच नहीं कर रहे थे। और वह एक योद्धा के पीछे चला गया।

और उसने उसे घुसा दिया, वे चाकू इतने लंबे थे, लगभग डेढ़ फुट उसकी पीठ से बाहर आ गए। अब, यहाँ वह बात है जो इसे मुश्किल बनाती है। एक परंपरा है, हर कोई एग्लोन की चर्बी को जानता है, है न? हर कोई यह जानता है।

लेकिन अगर आप उस समय के होते, अगर आप अमीर होते, तो क्या आप दुबले-पतले होते? नहीं। मुझे याद है कि मैं पहली बार हवाई गया था और एक लड़की बात कर रही थी, उसका वजन 20, 30 पाउंड ज़्यादा था, और उसने कहा, मुझे पता है कि मैं ज़्यादा वजन वाली दिखती हूँ, आप जानते हैं क्या? मैं हमारी संस्कृति के हिसाब से बिलकुल सही हूँ। बिलकुल सही।

अमेरिकी लोग एनोरेक्सिक शरीर पर फिदा हैं। लेकिन पुराने नियम के अमीर योद्धा राजाओं को यह फिदा नहीं था। तो, क्या उनके शरीर पर चर्बी थी? हाँ।

यहाँ मुश्किल बात यह है कि तलवार के चारों ओर जो चर्बी जमी थी, वह बाहरी चर्बी नहीं थी; यह आंतरिक चर्बी थी। यह उसके अंग थे जो तलवार के चारों ओर जम गए थे।

अब आप इसका अनुवाद करें। यह सबसे दिलचस्प उदाहरणों में से एक है, लेकिन यह दर्शाता है कि अनुवाद कार्य कितना जटिल हो सकता है। और यही कारण है कि मुझे इसका इतना आनंद आता है।

ठीक है, आपने व्यवस्थाविवरण 24:1 के सेप्टुआजेंट के बारे में पूछा था। यह थोड़ा अजीब है, लेकिन यहाँ, मैं शब्द दर शब्द बताता हूँ। लेकिन अगर कोई किसी महिला या पत्नी को लेता है और उसके साथ रहता है, उससे शादी करता है, और यहाँ क्रिया है, तो हम इसे अनदेखा कर देंगे। और अगर वह उसके सामने अनुग्रह नहीं पाती है, अगर वह उसकी नज़र में अनुग्रह नहीं करती है, तो यह विचार है, और वह उसे एक, और यहाँ शब्द है, शर्मनाक, अप्रस्तुत, अशिष्ट, या अवर्णनीय पाता है।

शब्द का यही अर्थ है - एक अभद्र प्रैग्मा, चीज़, फिर तलाक। तो, उत्तर यह है कि सेप्टुआजेंट भी उतना ही अस्पष्ट है।

एस्किमो का मतलब है, फिर से, इसका इस्तेमाल आम तौर पर ऐसी चीज़ के रूप में किया जाता है जिसे खुले तौर पर नहीं किया जाता, प्रदर्शित नहीं किया जाता, या आरक्षित समाज में चर्चा नहीं की जाती क्योंकि इसे शर्मनाक, अप्रस्तुत, अभद्र या अवर्णनीय माना जाता है। और इसका इस्तेमाल अक्सर यौन गतिविधि के संबंध में किया जाता है। लेकिन फिर से, यह एक बहुत ही व्यापक शब्द है।

ठीक है। अरे, मुझे अपने नोट्स के आखिरी दो पन्नों को देखने दो, और यह आसान हो जाएगा। अन्यथा, मैं चर्चा में उनका उल्लेख कर सकता हूँ।

और फिर हम इस विषय पर बात कर सकते हैं। ऐतिहासिक रूप से मुद्दा तलाक और एक खास तरह के पुनर्विवाह को नियंत्रित करना था। यही मुख्य मुद्दा है।

खैर, मुख्य जोर इस बात पर था कि तलाक न लें। नंबर एक, यह तभी संभव है जब उसमें कुछ अभद्रता हो। दूसरे शब्दों में, यह कोई दोष रहित तलाक नहीं है।

मेरा एक दोस्त है, जिसे शादी के एक साल बाद पता चला कि उसकी पत्नी का किसी और के साथ संबंध है। उसने तलाक देने से इनकार कर दिया, हालाँकि वह उसे तलाक दे सकता था, लेकिन उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया। वह शादी खत्म नहीं करने वाला था।

और उसने पाँच साल तक उससे तलाक लेने की कोशिश की। उसने उसे तलाक देने से साफ इनकार कर दिया। वह आखिरकार चली गई, मुझे लगता है कि वह मिसौरी चली गई, ताकि वह बिना किसी गलती के तलाक ले सके और उसने उससे तलाक ले लिया।

उसने कभी कागज़ात पर हस्ताक्षर नहीं किए। ठीक है। इस तरह के बिना किसी गलती के तलाक के बारे में व्यवस्थाविवरण और यीशु चिंतित हैं।

इसमें कोई अभद्रता होनी चाहिए। और जैसा कि मैंने कहा, दूसरा, तलाक का प्रमाणपत्र उसे अन्यायपूर्ण आरोपों से बचाता है। 1 कुरिन्थियों 7 में यह शब्द समझना कि वह बाध्य नहीं है, एक कानूनी शब्द है जिसका अर्थ है तलाकशुदा और पुनर्विवाह के लिए पात्र।

रोमन कानून में, अगर कोई तलाक लेने जा रहा था और पति यह कहना चाहता था कि वह इस तरह की महिला है और इसलिए, किसी को भी उससे शादी नहीं करनी चाहिए, तो तलाक के दस्तावेज़ में यह निर्धारित किया जाना चाहिए था। इसके लिए सभी दस्तावेज़ डेविड की किताब में हैं। इसलिए, जब यह कहा जाता है कि वह बाध्य नहीं है, तो इसका मतलब है कि वह अब विवाहित नहीं है और पुनर्विवाह के लिए पात्र है।

कानूनी शब्द का यही अर्थ है - एक बहुत ही महत्वपूर्ण बिंदु। और फिर, यीशु जिस बिंदु पर जोर दे रहे हैं वह विवाह की गंभीरता और गंभीरता है।

आप विवाह में आगे-पीछे नहीं हो सकते, जो कि व्यवस्थाविवरण का अंश वास्तव में इसी बारे में है, है न? यदि आप विवाह करते हैं, तो आप तलाक लेते हैं, आप दोबारा विवाह करते हैं, आप तलाक लेते हैं, आप वापस जाकर पहली पत्नी से विवाह नहीं कर सकते। तो वास्तव में व्यवस्थाविवरण इसी बारे में है, एक निश्चित प्रकार के पुनर्विवाह पर रोक लगाता है। तो, यह वह अंश था जिससे फरीसियों को निपटना पड़ा।

हमने इस बारे में बात की। ESV में अनुवाद में उसे व्यभिचार करते हुए दिखाया गया है। आह, मुझे वह चर्चा याद है।

एक कदम पीछे हटें। NIV 84 में पुराना अनुवाद उसे व्यभिचारिणी बनाता है। भयानक अनुवाद।

क्यों? क्योंकि यह उसे व्यभिचार की निरंतर स्थिति में रहने के रूप में वर्णित करता है। यह उसे व्यभिचारिणी बनने का कारण बनता है। इसलिए, ESV, हम इसे बदलकर उसे व्यभिचार करने के लिए बनाते हैं, एक ऐसा एकल कार्य जो क्षमा करने योग्य है, न कि एक निरंतर स्थिति।

और फिर नया NIV इसे व्यभिचार का शिकार होने में बदल देता है, इस विचार से दूर जाने की कोशिश करता है कि यह कृत्य आपको पाप की एक सतत, अक्षम्य स्थिति में ले जाता है। तो यह

वह नहीं है जो यीशु कह रहा है। हाँ, नए NIV का अंत वह है जो कोई भी अपनी पत्नी को यौन अनैतिकता को छोड़कर तलाक देता है, जो उसे व्यभिचार का शिकार बनाता है।

तो, हम नहीं हैं, और यह कौन था? जैसा कि आप जानते हैं, कार्ल्स इस बिंदु पर क्रेग ब्लॉमबर्ग की टिप्पणी को उद्धृत करते हैं। उन्होंने कहा कि व्यभिचार के कृत्य और उसमें प्रवेश करने और फिर उस स्थिति में रहने के बीच अंतर है। और वह कहते हैं कि यह एक अक्षम्य पाप नहीं है।

और व्यभिचार करने में, इस मामले में, पुनर्विवाह में व्यभिचार करने में, जब आप अभी भी अपने मन में, विवाहित हैं, भगवान की नज़र में, आप पहले से विवाहित हैं, और फिर हमेशा पाप की स्थिति में रहने में अंतर है। गॉर्डन-कॉनवेल में जिस लड़की ने मुझे फोन किया था, उसे बताया जा रहा था कि वह हमेशा पाप की स्थिति में रहती है। और यही है, मुझे नहीं लगता कि बाइबल यही कहती है।

असली समस्या यही है। हम अपवाद खंड को कैसे लागू करें, है न? मेरा मतलब है, हम विवाह की पवित्रता के बारे में अपने दिल से प्रचार कर सकते हैं। हम अपने चर्चों में काम करने के लिए परामर्शदाताओं को नियुक्त कर सकते हैं ताकि लोगों को मजबूत विवाह बनाने में मदद मिल सके।

हम ऐसे मंत्रालय ला सकते हैं जो मंत्रालयों की मदद करने में वाकई अच्छे हैं। मेरा मतलब है, हम सभी सकारात्मक चीजें कर सकते हैं, लेकिन तलाक होने वाला है। इसका क्या मतलब है? और जब तक यह यौन संबंध है, मैं विस्तार करने में सहज हूँ।

मैं इस बात पर दृढ़ता से बहस करूंगा कि पोर्निया किसी भी तरह की यौन गतिविधि है जो विवाह के दायरे से बाहर है। पोर्नोग्राफी स्पष्ट रूप से एक यौन गतिविधि है, है न? पोर्नोग्राफी में यही चल रहा है। मैं बस गंदी तस्वीरें देख रहा हूँ।

यह एक यौन गतिविधि है। तो सवाल यह है कि दुर्व्यवहार के बारे में क्या? मौखिक दुर्व्यवहार, शारीरिक दुर्व्यवहार, और क्या नहीं। और इस पर मेरी स्थिति, और मुझे पता है कि यह एक बहस का मुद्दा है, यह है कि पहला चरण अलगाव है।

हमारा एक अच्छा दोस्त है जिसका पति 10 साल से भावनात्मक रूप से दुर्व्यवहार कर रहा है। आखिरकार उसका एक अफेयर हो गया, और उसकी पत्नी का भी एक अफेयर हो गया, और उसकी पत्नी बाइबल के अनुसार उसे तलाक देने के लिए स्वतंत्र है। लेकिन सवाल यह है कि अगर उसका कोई अफेयर नहीं होता, तो क्या 10 साल तक दुर्व्यवहार करना विवाह अनुबंध का वैध उल्लंघन माना जाएगा? और उस समय मेरी सलाह थी, यही तो अलगाव का उद्देश्य है।

महिलाओं के साथ बहुत दुर्व्यवहार किया जाता है। पुरुषों को बहुत ही चुनिंदा तरीके से चुना जाता है। महिलाओं के साथ बहुत ही दुर्व्यवहार किया जाता है।

और जब शारीरिक सुरक्षा की बात आती है, तो कानूनी अलगाव का मतलब यही है। और मुझे नहीं पता कि आप इसके बारे में कैसा महसूस करते हैं, लेकिन यह तलाक से एक कदम दूर है। यह नुकसान को रोकता है, और यह पति को यह एहसास दिलाता है कि अब वह शक्तिहीन है।

और मुझे लगता है कि यह कहने का वास्तविक महत्व है, ठीक है, मैं ऐसा नहीं कर सकता, मेरा मतलब है, यह आदमी अपनी पत्नी के संदेश पढ़ रहा था, उसके ईमेल पढ़ रहा था, पूरी तरह से सब कुछ नियंत्रित कर रहा था। उसे अपने बिना कहीं जाने नहीं देता था। और मुझे नहीं पता कि उनकी शादी में क्या होने वाला है, लेकिन यह अलगाव के लाभ का एक हिस्सा है, कि यह पति को जगाता है, वह शक्ति खो देता है, और उसे स्थिति को थोड़ा और स्पष्ट रूप से देखना पड़ता है।

तो खैर। तो, टिप्पणियाँ या प्रश्न? मुश्किल मुद्दा। जब मैं इस समस्या से जूझ रहा था, तो मैंने अपने एक बहुत अच्छे दोस्त को फ़ोन किया, उसे न्यू टेस्टामेंट में पीएचडी मिली है, वह ग्रीक भाषा को मुझसे कहीं बेहतर जानता है।

मुझे बताया गया कि वह मेरे लिए निरंतर संसाधन रहा है और एक बहुत ही बदसूरत तलाक से गुजरा है। और मैंने कहा, ठीक है, निश्चित रूप से अगर कोई है, तो वह जानता होगा कि बाइबिल के डेटा को कैसे संभालना है। इसलिए, मैंने उसे फोन किया, और मैंने कहा, ठीक है, आप अपवाद खंड को कैसे संभालते हैं, ब्ला, ब्ला।

और वह कहता है, ओह बिल, उसने कहा, दर्द बस इतना तीव्र था, तुम्हें परवाह नहीं है। तुम बस चाहते हो कि दर्द बंद हो जाए। मैंने कहा, तो तुम्हारी पत्नी की ओर से कोई यौन बेवफाई नहीं थी? नहीं।

यह एक भयानक विवाह था जो इतना दर्दनाक था कि हम दोनों ही चाहते थे कि यह दर्द दूर हो जाए। तो, आप यह जानते हैं, है न? मेरा मतलब है, मैं ऐसा कुछ नहीं कह रहा हूँ जो आप नहीं जानते। टिप्पणियाँ या प्रश्न? मुझे लगता है कि एक सीधा अर्थ यह है कि यदि आप गैर-बाइबिल कारणों से तलाकशुदा हैं, तो आप अभी भी भगवान की नज़र में विवाहित हैं।

इसलिए, जब आप दोबारा शादी करते हैं, तो आप व्यभिचार करते हैं। यह एक कृत्य है। यह कृत्य, फिर से, व्याख्यात्मक है; यह कृत्य, वास्तव में, पहले विवाह की विवाह वाचा को तोड़ता है। और इसलिए, दूसरा विवाह पाप में जीना नहीं है।

उसे जो हुआ उससे निपटना होगा, माफ़ी मांगनी होगी और आगे बढ़ना होगा। मुझे लगता है कि पाठ यही कह रहा है। सभी श्लोकों को एक साथ रखना वाकई मुश्किल है, लेकिन मैं यही सबसे अच्छा सोच सकता हूँ।

भगवान को हमारे पेपर की परवाह नहीं है। और जब आप अपनी शादी की शपथ लेते हैं, तो आप तब तक शादीशुदा रहते हैं जब तक कि मृत्यु न हो जाए या यौन बेवफाई न हो जाए। भगवान को हमारे काम की परवाह है।

और जब आप वाचा तोड़ते हैं, तो आप अपनी शपथ तोड़ते हैं; आप अपनी प्रतिज्ञा तोड़ते हैं। मैं यह दिखावा करके नहीं कह रहा हूँ कि आपने ऐसा किया है। मेरा मतलब है, जब आप तलाक लेते हैं, तो आप तलाकशुदा हो जाते हैं, चाहे आपको इसका अधिकार हो या न हो।

वैसे, मैं इस तर्क के साथ पाठ को संभाल नहीं सकता। क्योंकि अगर आप गैर-बाइबिल कारणों से तलाक लेते हैं, तो दूसरी बार शादी करना व्यभिचार का कार्य नहीं है। और यही तो हमारा अंश कह रहा है, है न? दूसरी शादी करना व्यभिचार करना है।

क्या यह ऐसा नहीं है? हाँ। और इसलिए हमें इसे कैसे करना है, इस पर विचार करना होगा। खैर, यही सवाल है।

विवाह अनुबंध को कौन तोड़ता है? इसीलिए मुझे लगता है कि यह इतना दिलचस्प है। विवाह क्या है, इस बारे में कोई ठोस तर्क देना वाकई मुश्किल है। ठीक है, यहाँ स्थिति है।

मैंने स्कूल में शादी की तस्वीरें लेने का काम किया, और मैं चर्च में तस्वीरें ले रहा था, और हम रिसेप्शन के दौरान नीचे थे, और पादरी नीचे आया और कहा, क्या तुम ऊपर आओगे और मेरे लिए एक तस्वीर ले लोगे? मैं गया, ठीक है। उन्होंने कहा, हाँ, ऊपर एक जोड़ा शादी कर रहा है और वे एक तस्वीर लेना चाहते हैं। यह मोल्डिंग ग्रीन है।

मैंने कहा ठीक है। तो मैं ऊपर गया, और देखा कि वहाँ एक युवा जोड़ा था। वह गर्भवती थी।

वे, वाह, 16 साल के होंगे। पादरी ने समझाया कि उसने अभी-अभी अपने घरवालों को बताया था कि वह गर्भवती है। उसके पिता ने जाकर एक बन्दूक खरीदी और उसे मारने की फिराक में है।

और उन्हें लगता है कि अगर वे शादीशुदा हैं, तो वह अपने दामाद को नहीं मारेगा। और उन्हें यह साबित करने के लिए एक तस्वीर की ज़रूरत थी कि वे शादीशुदा हैं। ठीक है।

क्या वे दोनों शादीशुदा थे? मेरा मतलब है, अगर आप अफ्रीका जाते हैं और शादी समारोह में जाते हैं, तो यह एक गांव का कार्यक्रम होता है, है न? यह पूरे एक सप्ताह तक चलता है। एक बड़ी पार्टी होती है, और पार्टी के अंत में, आप शादीशुदा होते हैं। वे उस समारोह को देखते हैं और कहते हैं, बेशक, आप शादीशुदा नहीं हैं।

मेरा मतलब है, सिर्फ इसलिए कि आपने कुछ बातें कह दीं, इसका मतलब यह नहीं है कि आप शादीशुदा हैं। और हम दूसरे समारोह को देखते हैं और सोचते हैं, एक मिनट रुकिए, कहावत कहाँ है? मेरा मतलब है, शपथ या जो कुछ भी है वह कहाँ है? शॉटगन का मतलब है, हाँ, हाँ, हाँ। हाँ।

मुझे लगता है कि यह शपथ है। मुझे लगता है कि शपथ ही विवाह अनुबंध बनाती है। सेक्स निश्चित रूप से शपथ का संकेत है।

लेकिन अगर आप किसी समारोह में शामिल हुए, अपनी प्रतिज्ञाएँ कीं, और आप अपने हनीमून के लिए वर्जीनिया बीच या कहीं और जा रहे थे, तो आप कार दुर्घटना में मारे गए, क्या आप विवाहित होकर मरेंगे? हाँ, मैं कहूँगा कि वे विवाहित थे। इसलिए, मेरे लिए, यह शपथ है। इसलिए, उन्होंने पहले पाँच पतियों को बुलाया।

हाँ, वह निश्चित रूप से अगले आदमी के साथ सेक्स कर रही थी, लेकिन वह उससे विवाहित नहीं थी। मुझे यकीन है कि ह्यूजेनबर्गर के पास इसका जवाब होगा, लेकिन मुझे नहीं पता कि वह क्या होगा। हाँ, अगली सूचना तक।

हाँ हाँ हाँ।

ठीक है, ठीक है, हाँ। हाँ। ओह हाँ, हमारी संस्कृति विवाह को लेकर बहुत ही उलझन में है।

लेकिन ऐसा तब होता है जब आप ईश्वर को बाहर निकाल देते हैं। जब मैं बीटी पर बाइबिल ट्रेडिंग सुन रहा था, जब ब्रूस नीतिवचन पर क्लास कर रहे थे, तो उन्होंने एक दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, जब तक आपके पास सार्वभौमिक ज्ञान नहीं है, तब तक आपके पास पूर्ण ज्ञान नहीं हो सकता।

जब तक आप सब कुछ नहीं जानते, तब तक कोई पूर्ण ज्ञान नहीं है। और, ज़ाहिर है, एकमात्र व्यक्ति जो सब कुछ जानता है वह भगवान है। यही वह बात है जो हमारे कहने में गलत है, ठीक है, यहाँ दो आदमी हैं; वे एक दूसरे से प्यार करते हैं, और उन्हें शादी करने में सक्षम होना चाहिए।

उनके पास पूरा ज्ञान नहीं है। और इसलिए, उनके पास पूर्ण ज्ञान नहीं हो सकता, वे कहते हैं कि यह ठीक है। केवल ईश्वर के पास ही पूर्ण ज्ञान है।

इसलिए, केवल परमेश्वर ही पूर्ण ज्ञान बता सकता है। और आप जानते हैं, बगीचे में अच्छाई और बुराई के ज्ञान का पेड़, यही है, है न? यह परमेश्वर ही है जो तय करता है कि क्या सही है और क्या गलत, क्या अच्छा है और क्या बुरा। यह उसका निर्णय है।

और वह ऐसा कर सकता है इसका कारण यह है कि उसके पास पूर्ण ज्ञान है। वह पूरी तस्वीर देखता है। इसलिए, हमें उसके कथनों और उसके अधिकार के आगे झुकना होगा क्योंकि हम उसका मुकाबला करने के लिए पर्याप्त नहीं जानते हैं।

लेकिन आज के ज़माने में इसका कोई मतलब नहीं है। हाँ, कुछ लोग ऐसा करते हैं। कुछ लोग ऐसा करते हैं।

हाँ। आप जानते हैं, मेरा एक हिस्सा सोचता है कि अगर एक पुरुष और एक पुरुष, या एक महिला और एक महिला, या एक पुरुष और दो महिलाएं, मेरा मतलब है, आप इन तर्कों को जानते हैं, है न? अगर समलैंगिक आंदोलन ठीक है, तो इसे दो तक सीमित क्यों रखा जाए? तीन क्यों नहीं? एक लड़का क्यों नहीं? एक कुत्ता क्यों नहीं? मेरा मतलब है, एक बार जब आप सार्वभौमिक ज्ञान को बाहर कर देते हैं, तो आपके पास कोई पूर्ण ज्ञान नहीं हो सकता है, और इसलिए, सब कुछ

खुला है। तो, आप तलाक के बारे में क्या सोचते हैं? आप इस बारे में क्या सोचते हैं? आप अभद्रता की बात को लेकर कितनी दूर तक जाने में सहज हैं? ओह, ओह।

हाँ, हाँ। ठीक है, मुझे माफ़ करें। मुझे एक सेकंड लगा।

हाँ, ऐसा नहीं था। बहुत देर हो चुकी थी। तुमने कहा, हाँ, यह टेप पर है।

हाँ, मेरा मतलब है, मैं सोचता रहता हूँ, मुझे नहीं लगता कि ज्यादातर पुरुष महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा को समझते हैं। मेरा मतलब है, जब तक मेरी बेटी नहीं हुई, तब तक मुझे नहीं पता था, और कस्टन ने मुझे इसके प्रति बहुत संवेदनशील बना दिया है। वह एक असाधारण उदार स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ़ ओरेगन में पढ़ी थी।

हे भगवान। वह घर आकर पुरुष-शरीर वाले और महिला-शरीर वाले लोगों के बारे में बात करने लगी। उसने दावा किया कि उसे सिखाया गया था कि 12 लोगों में से एक के गुणसूत्र आपस में मिले हुए हैं, और वे गलत शरीर में हैं।

मैंने कहा, ओह, प्लीज। इसलिए, मैंने अपने एक डॉक्टर मित्र को फोन किया और कहा कि आनुवंशिक असामान्यताएं 147,000 में से एक होती हैं, और इसमें वे लोग भी शामिल हैं जिनमें लिंग संबंधी कोई भ्रम नहीं है। इसलिए, मैंने कस्टन को बताया, और उसने कहा, ओह, मैं धोखा खा गई, है न? हाँ, तुम धोखा खा गई।

लेकिन आप जानते हैं, कैलिफ़ोर्निया में यही सिखाया जा रहा है, है न? अगर आप पहली कक्षा के लड़के हैं, अगर आप तय करते हैं कि आप लड़की हैं, तो आप लड़कियों के बाथरूम में जा सकते हैं। धन्यवाद, जैरी ब्राउन। और आप सभी कैलिफ़ोर्निया भाग रहे हैं, है न? मैं कैलिफ़ोर्निया से हूँ, तो यह... माफ़ करें? वह कौन सा बाथरूम इस्तेमाल करता है? हाँ, हाँ।

हाँ, वह कौन सा शब्द इस्तेमाल करता है? हाँ। हाँ। यह पूरा... इसे लिंग भ्रम कहना उचित नहीं है।

यह वह सब कुछ है जिसे परमेश्वर सृष्टि में स्थापित करता है, और पाप उसे नष्ट करना चाहता है। मुझे याद है कि मैं एक बार प्रचार कर रहा था, और मैं उस तरह के शुक्रवार को था। यह कार मेरे पास से गुजरी, और इसने मुझे रविवार के लिए एकदम सही उदाहरण दिया क्योंकि बम्पर स्टिकर ने कहा कि चूहों के पास अधिकार हैं। आप जानते हैं, यह कानून है, और मेरा मानना है... फीनिक्स कहाँ है? एरिजोना।

मुझे बताया गया है, निष्पक्षता से कहूँ तो, मुझे बताया गया है कि... और एरिजोना में यह वाकई अजीब है, सभी जगहों में से, जहाँ आप उन्हें गोली मार सकते हैं, लेकिन फिर भी उनके पास अधिकार हैं। लेकिन जब आपको चूहा मिलता है, तो उसके पास अधिकार होते हैं, और इसका मतलब है कि आपको उसे घर से बाहर निकालना होगा या ऐसा ही कुछ। जब मैंने रविवार को लोगों से पूछा, तो मैंने कहा, क्या चूहों के पास अधिकार हैं? खैर, बिल्कुल नहीं।

मैंने पूछा, क्यों? यह उल्लेखनीय था। अधिकांश लोग नहीं जानते कि चूहों के पास अधिकार क्यों नहीं हैं। क्षमा करें? ओह, चमगादड़ों के पास अधिकार हैं, हाँ।

आप चमगादड़ों को सड़क से हटाने की कोशिश करते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे किस प्रकार के हैं, और आप ऐसा नहीं कर पाते। हाँ। हम... गंभीरता से।

आप जानते हैं, मैं जानता हूँ, मैं जानता हूँ। हमारे पास एक... मज़ाक यह था कि हमारे सामने एक खाली जगह थी, और वहाँ से हमें पूरी कोलंबिया घाटी का शानदार नज़ारा दिखाई देता था। हम जानते थे कि आखिरकार वे वहाँ एक घर बनाने जा रहे थे, इसलिए मैंने सोचा कि मैं जाकर कुछ दुर्लभ सैलामैंडर ढूँँ और उसे छोड़ दूँ क्योंकि फिर वे वहाँ घर नहीं बना सकते थे, क्योंकि, आप जानते हैं, वहाँ कुछ... चूहों के पास मानव अधिकार नहीं हैं क्योंकि उन्हें भगवान की छवि में नहीं बनाया गया था।

वे सृष्टि के शिखर पर नहीं बनाए गए हैं। और चाहे आप इसे स्वीकार करें या नहीं, कम से कम मेरे पास एक कारण है कि चूहों के पास अधिकार क्यों नहीं हैं। अब, क्या चूहों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाना चाहिए? हाँ, वे भगवान की रचना का हिस्सा हैं, और हमें सृष्टि की देखभाल करने के लिए यहाँ रखा गया है, और इसमें चूहे और सैलामैंडर भी शामिल हैं, आप जानते हैं, यह सच है।

लेकिन वे आप और मेरे जैसे नहीं हैं। लेकिन देखिए, मुझे लगता है कि दुनिया जो कर रही है, वह उत्पत्ति के खिलाफ जाने की कोशिश कर रही है और ईश्वर की छवि में बनाए गए हमारे अंतर को मिटाने की कोशिश कर रही है, और इसलिए यह सब कुछ एक ही स्तर पर रखने की कोशिश कर रही है। तो, एक तरफ, चूहों के पास अधिकार हैं।

दूसरी ओर, अजन्मे बच्चों के पास कोई अधिकार नहीं है। और इसलिए, हम सब सिर्फ जानवर हैं। वास्तव में, मैं यह सुनकर चौंक गया: मिकी रूनी, मिकी रूनी नहीं।

वह आदमी 60 मिनट के अंत में मूर्खतापूर्ण टिप्पणियाँ करता था। एंडी रूनी, धन्यवाद। एंडी रूनी यौन गतिविधि के बारे में सामने आए कुछ आँकड़ों के बारे में बात कर रहे थे, और मैं बस चौंक गया।

वह कहते हैं, मेरा मतलब है, आप पुरुषों और महिलाओं से यौन नियंत्रण की उम्मीद नहीं कर सकते। मेरा मतलब है, हम सिर्फ जानवर हैं। मेरा मतलब है, मैं ऐसा हूँ, ठीक है।

वह ईश्वर की छवि में विश्वास नहीं करता। मैं करता हूँ। इसलिए, मुझे लगता है कि यह हमला है, उत्पत्ति में ईश्वर द्वारा बनाए गए सभी भेदों को हटाना।

क्योंकि आखिरकार, सभी धर्मशास्त्र उत्पत्ति 1, 2 और 3 से ही निकलते हैं, है न? आखिरकार, सब कुछ वहीं वापस जाता है। सब कुछ। वैसे भी, हर बड़ी चीज़।

देखो, मैट, मैंने इस पर अपना विचार बदल दिया है। गॉर्डन-कॉनवेल में वह शिक्षक कौन था जिसने पुराने नियम के भविष्यवक्ता को बनाया था? मेरे वहाँ पहुँचने से पहले ही वह चला गया था। क्या तुम्हें याद है? उसने तर्क दिया कि उत्पत्ति 1, 2, और 3 में जो कुछ था वह एक मंदिर था।

हाँ, बील ने इसे उठाया होगा। एक पुराना नियम है - ओह, क्लिन ई। मेरेडिथ क्लाइन का तर्क यही था।

हाँ, उत्पत्ति 1, 2, और 3 एक मंदिर है, और इसी तरह हमें जीने, संबंध बनाने और पूजा करने के लिए बनाया गया था, और वह मंदिर नष्ट हो गया। और इसलिए इसका मतलब है - यह आश्चर्यजनक है कि कितनी बार धर्मशास्त्र उस पर वापस जाता है। तो जैसा कि एक आदमी कहता है - जेरी फालवेल की टिप्पणी क्या थी? भगवान ने एडम और स्टीव को नहीं बनाया।

भगवान ने आदम और हव्वा को बनाया। मुझे आश्चर्य है, हालांकि - मैं बस इसे तलाक दूंगा - मैं नहीं हूँ - मेरा मतलब है, मैं शास्त्रों में विश्वास करता हूँ, और मैं शास्त्रों का पालन करता हूँ, और मैं बस सोच रहा हूँ कि, आप जानते हैं, वास्तव में, अगर हम इसे लागू करने के लिए मजबूर करते हैं, तो क्या हमें इसे स्तरीकृत नहीं करना चाहिए? क्या हमें यह जानने की ज़रूरत नहीं है कि ईसाइयों के लिए, काफी हद तक अधिकार है, कि आप उनसे बहुत अधिक अपेक्षाएं रख सकते हैं और उन पर अमेरिकियों की तुलना में अधिक बोझ डाल सकते हैं? लेकिन आपको बहुत से लोग मिलेंगे जो अमेरिका के बारे में हमारी समझ की एक बहुत ही अवधारणा के साथ मेरे पास आएंगे, और अभी, मेरा मतलब है, यह वस्तुतः एक अनुबंध है, सामान्य संदर्भ में, और यहां तक कि अधिकांश बाइबिल में भी, यह अभी भी एक अनुबंध है।

मैं सोच रहा हूँ कि क्या हम-यह उम्मीद करना वाकई मुश्किल है कि हर कोई एक ही मानक पर खरा उतरे। क्या आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? तो, मुश्किल यह है कि क्या हम-क्या हम लोगों के साथ तदर्थ आधार पर व्यवहार करने के लिए स्वतंत्र नहीं हो सकते हैं, बिना इस बात से पूरी तरह बंधे हुए कि तुम यह करोगे, यह, यह और वह? आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? हाँ, और मेरा जवाब है-सवाल यह है कि क्या हमें हर किसी के साथ बिल्कुल एक जैसा व्यवहार करना चाहिए? और इसका जवाब है, बिल्कुल नहीं। तलाक पर अपने स्थिति पत्र में, मैंने इस बात पर बड़ा अंतर किया कि तलाक के समय व्यक्ति ईसाई था या नहीं।

नैतिकता के प्रति मेरा सामान्य दृष्टिकोण यह है कि जीवन एक यात्रा है, और आप लोगों के साथ अलग-अलग व्यवहार करते हैं, जहाँ वे यात्रा पर हैं। कुछ लोगों के लिए, भगवान के नाम का व्यर्थ उपयोग न करना सबसे अधिक है - यही वह है जिस पर वे काम कर सकते हैं, और बस इतना ही, आप जानते हैं, और वे सभी प्रकार की बातें कह सकते हैं, जो आप जानते हैं, चर्च में स्वीकार्य नहीं होंगी। लेकिन, आप जानते हैं, अगर वे जीडी कहे बिना दिन गुजार सकते हैं, तो वे उतने ही खुश हैं जितना कोई भी ईसाई संभवतः हो सकता है।

हम सभी यात्रा में अलग-अलग स्थानों पर हैं, और इसका मतलब यह नहीं है कि मानक बदल जाते हैं, इसका मतलब यह है कि हम यात्रा में अलग-अलग स्थानों पर हैं। मैं इसे इसी तरह से देखूंगा। अगर मैं किसी ऐसे व्यक्ति से निपट रहा होता जो 60 साल से ईसाई है और तलाक ले

चुका है, तो मैं शायद उनके साथ थोड़ा अलग व्यवहार करूंगा, न कि अगर वह 18 साल का लड़का होता जिसने अपनी प्रेमिका को गर्भवती करने के कारण शादी कर ली होती।

वैसे, अभी-अभी मेरी ज़िंदगी की सबसे दिलचस्प शादी हुई है। मैंने पहले कभी ऐसी शादी नहीं की जिसमें छह महीने का बच्चा पहली पंक्ति में बैठा हो। यह वाकई अलग था।

क्या आपने कभी ऐसा किया है? उनका बच्चा पहली पंक्ति में था। बच्चा छह महीने का था। वे विवाह योग्य उम्र के नहीं थे, और यह एक दिलचस्प स्थिति थी।

मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त उनका काउंसलर था, इसलिए मुझे पता था कि उन्हें अच्छी सलाह मिल रही है। वे सिर्फ इसलिए शादी नहीं कर रहे थे क्योंकि उनके पास बच्चा था, और मुझे उनके साथ कुछ समय बिताने का मौका मिला। और मैं बड़ी कहानी को अच्छी तरह से जानता हूँ।

इसलिए, मैं शादी करने के लिए सहमत हो गया, और हर कोई जानता है कि उन्होंने सेक्स किया था क्योंकि बच्चा वहीं था। इसलिए, मैंने कहानी में बच्चे को शामिल कर लिया, और मैंने शादी में पीछे की ओर चलने के बारे में बात नहीं की, लेकिन मैं लगभग ऐसा ही करने वाला था। लेकिन हमने उन अतिरिक्त चुनौतियों के बारे में बात की जो होने वाली थीं और पति के लिए अपनी पत्नी और बच्चे के लिए बलिदान देने का क्या मतलब था, जब वह मुश्किल से हाई स्कूल से बाहर निकला था।

उसके मन में कॉलेज जाने के कई सपने थे, लेकिन मुझे नहीं पता कि वह कॉलेज जाएगा या नहीं। उसके पास दूसरी चीजें हैं। इसलिए, ऐसा लगता है कि मैंने उनके साथ बिल्कुल अलग तरह से व्यवहार किया, जैसा कि मैं किसी बड़े व्यक्ति के साथ करता।

लेकिन जीवन एक यात्रा है। हम सभी कठिन रास्ते पर हैं। कुछ लोग अलग-अलग जगहों पर रास्ते से भटक जाते हैं।

हम सभी अलग-अलग जगहों पर रास्ते से भटक जाते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मानक बदल जाते हैं। हमारे पास ईसाई लोगों के लिए बहुत सांस्कृतिक और सामाजिक समर्थन था।

तो बहुत सारी समस्याएँ हैं, बहुत सारी समस्याएँ हैं, क्योंकि समाज में अब कुछ भी नहीं है। हाँ, लेकिन हमारी संस्कृति में ईश्वर की सामान्य कृपा बहुत कम बची है। इसलिए, यह और भी मुश्किल हो जाता है।

लेकिन आप मानकों को नहीं बदलते, लेकिन आप जानते हैं, भगवान की कृपा से मैं, स्पष्ट रूप से, वहाँ जाता हूँ। हाँ, आप स्पष्ट रूप से, हश, आपके जीवन में अभी तक वह मुद्दा नहीं आया है। यह दिलचस्प था क्योंकि मुझे जानना था कि क्या वे पश्चाताप कर रहे थे।

लेकिन मेरा मतलब है, वे छोटी लड़की से प्यार करते थे। माता-पिता अपने पहले पोते से प्यार करते थे। और, आप जानते हैं, इसलिए आप यह नहीं कह सकते, आप जानते हैं, क्या आपको खेद है, आप कभी, आप जानते हैं, मेरा मतलब है, यह बस, यह स्थिति के अनुकूल नहीं था।

लेकिन उन्हें पता था कि उन्होंने जो किया वह गलत था। उसने बच्चे का गर्भपात करवाकर इसे और भी जटिल नहीं बनाया, भले ही कुछ लोगों ने बच्चे को मारने के लिए बहुत दबाव डाला था। इसलिए, बुराई के साथ-साथ बहुत सारी अच्छी चीजें भी मिली हुई थीं।

यह बहुत ही रोचक था, यह एक शानदार शादी साबित हुई। यह एक प्रोत्साहन था। देखते हैं क्या होता है।

मुझे लगा कि आप लोग इस बारे में और भी बात करना चाहेंगे। हाँ, हम कर सकते हैं। ठीक है।

ठीक है। मुझे इसकी ज़रूरत नहीं है, मुझे इसकी ज़रूरत नहीं है, वैसे भी मेरे पास कवर करने के लिए चीजें हैं। मुझे यहाँ अपने नोट्स देखने दो।

बस एक सेकंड। हाँ, व्यभिचार अक्षम्य पाप नहीं है, बल्कि निरंतर लालच और गपशप या अक्षम्य पाप है। मैंने कभी-कभी ऐसी बातें कही थीं, और मुझे पता था कि मैं चर्च को मुझसे निराश करने जा रहा हूँ।

मेरी सामान्य लाइन थी, आप जानते हैं, इस समस्या को दूर करने के लिए बस सताया जाएगा। और जब मैंने ऐसा कहा तो ज्यादातर लोगों को यह पसंद नहीं आया। लेकिन अब मैं भूल गया कि मैं कहाँ जा रहा था।

मैंने कहा, हम बात कर रहे थे, मुझे नहीं पता कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन मैंने कहा, आप जानते हैं, हम पापों को इस तरह से वर्गीकृत करते हैं कि कुछ ऐसे हैं जो स्वीकार्य हैं। ये वे हैं जो मैं करता हूँ। और फिर कुछ ऐसे हैं जो स्वीकार्य नहीं हैं।

यही आप करते हैं। और इसलिए, आपसे प्यार करने के बजाय, मैं आपको जज करने जा रहा हूँ। चर्च अक्सर इसी तरह काम करता है।

और फिर, ओह, मैंने कहा, अगर मुझे चर्च बनाने और समलैंगिक और तलाकशुदा लोगों के समूह या गपशप करने वालों के समूह को उपदेश देने का विकल्प दिया जाए, तो मैं एक सेकंड में समलैंगिक और तलाकशुदा लोगों को चुनूंगा। और आपको उनके चेहरों पर भाव देखने चाहिए थे। वे बस इसे समझ नहीं पाए क्योंकि उन्होंने समलैंगिकता, व्यभिचार, शेष दो पापों को, वास्तव में केवल दो पाप बना दिया था।

और वे समझ नहीं पाए कि मैं गपशप को इतना बुरा क्यों मानता हूँ। और मैंने कहा, क्या आपने कभी समलैंगिक आंदोलन या व्यभिचार के कारण चर्च को टूटते हुए देखा है? खैर, हमने कहानियों के बारे में सुना है, लेकिन क्या आपने कभी ऐसा देखा है? और उनमें से किसी ने भी

ऐसा नहीं देखा था। मैंने पूछा कि क्या मैं कभी ऐसे चर्च में गया हूँ जो टूटा हुआ है। क्या आपने कभी भगवान के शरीर को गपशप के कारण टूटते हुए देखा है? मैंने देखा है।

मैं उन लोगों को उपदेश देना पसंद करूँगा जो जानते हैं कि मसीह में वे कौन हैं और उन्हें क्षमा किए गए पापी हैं, न कि धार्मिक फरीसियों को जो सोचते हैं कि वे बेहतर हैं क्योंकि वे अपने पापों के साथ ठीक हैं। यह मेरे लिए कोई मुद्दा नहीं है। कोई मुद्दा नहीं।

ठीक है, चलो पाँच या छह मिनट का ब्रेक लेते हैं, जिसका मतलब है दस मिनट, और हम अध्याय पाँच में इन अंतिम तीन बातों पर विचार करेंगे। अगर वे नहीं हैं, तो मेरे पास बुजुर्ग हैं। क्या मैं उनकी मदद के लिए कुछ कर सकता हूँ?

क्या आप मेरी मदद कर सकते हैं? खैर, आपने पुजारियों के प्रति मेरे पूर्वाग्रह को तोड़ दिया, इसलिए, आप जानते हैं, शायद कुछ और हो। नहीं, चलो आगे बढ़ते हैं।

यह अच्छा रहेगा। तुम दौड़ रहे हो, मैथ्यू? हाँ। ठीक है, हम गहरी आज्ञाकारिता के पाँच उदाहरणों में से तीसरे पर आ गए हैं, और इस पर मेरा लेबल कठोर ईमानदारी है।

मुझे नहीं पता कि मुझे यह वाक्य कहाँ से मिला, लेकिन मुझे यह वाकई बहुत पसंद है। ठीक है, श्लोक 33. फिर से, आपने सुना है कि बहुत पहले लोगों से कहा गया था, अपनी शपथ मत तोड़ो, बल्कि यहोवा के सामने अपनी प्रतिज्ञाएँ पूरी करो।

ठीक है? लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ, कसम मत खाओ, न तो स्वर्ग की, क्योंकि यह परमेश्वर का सिंहासन है, न ही धरती की, क्योंकि यह पाँव की चौकी है, उसका पाँव की चौकी है, या यरूशलेम की, क्योंकि यह महान राजा का शहर है। और अपने सिर की कसम मत खाओ, क्योंकि तुम एक भी बाल को सफ़ेद या काला नहीं कर सकते। तुम्हें बस हाँ, नहीं कहना है।

इससे परे जो कुछ भी है वह दुष्ट से आता है। फिर से, मुझे लगा कि कारेल ने तरीकों के बारे में जो बताया, फिर से, यह मिशनाह में एक संपूर्ण ग्रंथ है जिसमें उन सभी तरीकों के बारे में बताया गया है जिनसे आप शपथ ले सकते हैं और उसे पूरा नहीं करना है, वह आकर्षक था। और फिर से, यह तलाक के मार्ग की तरह था, जहाँ ऐसा था कि जब यह किया जाता था, तो मैं कहता था, भगवान, आप हम सभी को क्यों नहीं मार देते? मेरा मतलब है, आप लोगों के साथ सहन करने का धैर्य कैसे रख सकते हैं? मेरा मतलब है, यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि आप जानते हैं, ये भगवान के लोग हैं, चुने हुए लोग हैं, चुना हुआ राष्ट्र है, और वे झूठ बोलने का एक तरीका खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

और यह अद्भुत था। मुझे लगता है कि उसने वाकई बहुत बढ़िया काम किया। यीशु ने पुराने नियम के किसी एक खास अंश का हवाला नहीं दिया, लेकिन यह निश्चित रूप से पुराने नियम के कानून की बुनियादी शिक्षा है।

तो, आपके पास पुराने नियम में शपथ के विरुद्ध कोई निषेध नहीं है, लेकिन आपको अपनी शपथों को पूरा करने की आवश्यकता है। और फरीसी क्या करते हैं? वे संकीर्ण, संकीर्ण, संकीर्ण

करना शुरू कर देते हैं। खैर, अगर हम यरूशलेम की कसम खाते हैं, तो हमें इसे निभाने की ज़रूरत नहीं है।

लेकिन अगर हम यरूशलेम की ओर मुँह करके शपथ लेते हैं, तो हमें ऐसा करना ही होगा क्योंकि वह ईश्वर का शहर है। वह महान राजा का शहर है। और अगर यह ईश्वर के बारे में है, तो हमें इसे निभाना ही होगा।

लेकिन अगर हम ऐसा कर सकते हैं, आप जानते हैं, अगर हम अपनी उंगलियाँ पार कर सकते हैं और, आप जानते हैं, यरूशलेम की कसम खा सकते हैं, तो मुझे अपना वचन निभाने की ज़रूरत नहीं है। और इसलिए, यह झूठ बोलने और बच निकलने का एक विस्तृत तरीका था। लेकिन देखिए वे क्या कर रहे हैं? वे इसे सीमित कर रहे हैं।

और यीशु मूल रूप से फरीसियों की तरह काम करते हैं, अगर परिचयात्मक सूत्र में परमेश्वर का नाम इस्तेमाल किया गया हो या किसी तरह से उसका सीधा संदर्भ दिया गया हो, तो आपको अपना वादा निभाना होगा। लेकिन अगर किसी तरह से यह सीधे परमेश्वर को प्रभावित नहीं करता है, तो आपको अपना वचन निभाने की ज़रूरत नहीं है। इसलिए यीशु कहते हैं, अच्छा, इससे क्या फ़र्क पड़ता है? अगर आप स्वर्ग की कसम खाते हैं, तो वह परमेश्वर की है।

अगर तुम धरती की कसम खाते हो, तो वह उसका पांवदान है। अगर तुम यरूशलेम की कसम खाते हो, तो वह महान राजा, मसीहा का शहर है। यह सब परमेश्वर का है।

यह सब भगवान का है। इसलिए, आप अपने शब्दों के आधार पर अपनी शपथ में कोई कमी नहीं कर सकते। भगवान, हम भी यही करते हैं, है न? आज, हम छोटे-मोटे झूठ बोलते हैं।

वे न तो सफ़ेद हैं और न ही छोटे। वे झूठ हैं। और हम ऐसा करते हैं, या हम जानबूझकर अस्पष्ट हैं, खुद को कमज़ोर बनाते हैं।

या फिर हम घुमाते हैं, अगर आप एक राजनीतिज्ञ या कोई और हैं, तो आप किनारों को धुंधला करना चाहते हैं ताकि आप जो कहते हैं उस पर कोई ज़िम्मेदारी न आए। आप अतिशयोक्ति करते हैं। आप खुद को अपनी वास्तविकता से बेहतर बताते हैं। या हम ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, मैंने खुद को तबाह कर दिया।

सच में? तबाह? तुम्हारा मतलब है कि मुझे यह पसंद आया? हो सकता है कि यह तुम्हें परेशान करे, लेकिन इसने तुम्हें तबाह कर दिया। देखो, मेरा मतलब है, ये सब छेड़छाड़ करने और किनारों को धुंधला करने के तरीके हैं ताकि हमें पूरी तरह ईमानदार न होना पड़े। इसलिए, यीशु कानून की भावना पर जाता है, और वह कहता है, देखो, जब तुम हाँ कहते हो, तो इसका मतलब समझो। जब तुम नहीं कहते हो, तो इसका मतलब समझो।

स्टॉट की लाइन बहुत बढ़िया थी। जब एक शब्द ही काफी है, तो उसमें कुछ और जोड़कर अपनी सांसें क्यों बरबाद करें? दो कहानियाँ। मेरी एक बहुत ही सुंदर बहन है, और हाई स्कूल में हर कोई मेरी बहन के साथ डेट पर जाना चाहता था।

और उसने और माँ ने, माँ ने और उसने, एक छोटी सी दिनचर्या बनाई। एक आदमी फोन करता था, और माँ को पता चल जाता था कि वह कौन है। टेरी को उसका नाम बताकर यह बात बताइए।

अगर उसे डेट पर जाने में दिलचस्पी होती तो वह फोन उठा लेती। अगर उसे डेट में दिलचस्पी नहीं होती तो वह पीछे के दरवाजे से बाहर निकल जाती। माँ इंतज़ार करती और कहती कि वह अभी यहाँ नहीं है।

वह नहीं है, है न? वह पीछे की सीढ़ी पर है, लेकिन उसने उस आदमी को यह बताने की जहमत नहीं उठाई। एक रात डिनर पर, अचानक, मेरे पिताजी ने कहा, मुझे आश्चर्य है कि क्या झूठ कुछ ऐसा कह रहा है जो सच नहीं है या कुछ ऐसा आभास दे रहा है जो सच नहीं है। हम्म।

मैं फिर से उसके मसले हुए आलू खाने लगा। लेकिन मम्मी-पापा और टेरी को संदेश बहुत स्पष्ट रूप से समझ में आ गया। वे पूरी तरह ईमानदार नहीं थे।

टेरी ऐसा इसलिए कर रही थी ताकि वह उस आदमी की भावनाओं को ठेस न पहुँचाए। पूरी ईमानदारी से नहीं। क्या आप ईमानदारी के मामले में रे क्रोक और मैकडॉनल्ड्स की कहानी जानते हैं? यह एक शानदार कहानी है, और यह सच है।

मेरा एक दोस्त था जो मुझसे दो दरवाज़े ऊपर रहता था। वह अजुसा पैसिफ़िक में प्रशासकों में से एक हुआ करता था। वह अजुसा छोड़कर उस कंपनी में काम करने चला गया जो कैलिफोर्निया सहित पाँच राज्यों के क्षेत्र में मैकडॉनल्ड्स के लिए ब्रेड, ब्रेड, बन्स और अन्य चीज़ें बनाती है।

तो, यह एक बहुत बड़ी बेकरी है। यह मैकडॉनल्ड्स के यूरोप में आने से पहले की बात है। और उन्होंने बेकरी वालों को आने के लिए कहा, तो टिम उनके साथ गया, और उसने ही मुझे यह कहानी सुनाई।

उन्होंने यूरोप में विस्तार की इच्छा के बारे में बात की। मैकडॉनल्ड्स निरंतरता या गुणवत्ता के बारे में चिंतित था। इसलिए, वे चाहते थे कि यह बेकरी यूरोप के मध्य में कहीं जाए, पाँच मिलियन डॉलर खर्च करे, और यूरोप में आने वाले सभी मैकडॉनल्ड्स के लिए एक बेकरी खोले।

रे क्रोक के बारे में दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने जीवन में कभी किसी अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किए। उन्होंने पूरी तरह से मना कर दिया। उनका वचन ही उनका बंधन था।

उन्होंने इस बारे में बात की, स्पष्टता पर पहुंचे, उन्होंने हाथ मिलाया, और टिम की कंपनी ने बाहर जाकर पाँच मिलियन डॉलर खर्च किए। उस समय पाँच मिलियन वाकई कुछ खास थे। यह सब इसलिए क्योंकि वे जानते थे कि रे क्रोक का वचन किसी भी अनुबंध से ज़्यादा बाध्यकारी था।

देखिए, यह कठोर ईमानदारी है, है न? क्रोक वफ़ादारी के लिए मशहूर थे। अगर वह किसी सप्लायर के साथ काम कर रहे थे और, आप जानते हैं, सॉसेज या कुछ और ठीक नहीं था, तो वे

उसे सिर्फ़ इसलिए नहीं हटा देते थे क्योंकि उन्होंने उनके साथ काम करने का वादा किया था। इसलिए, मैकडॉनल्ड्स अपने लोगों को सॉसेज फैक्ट्री में भेजते थे, और वे सॉसेज फैक्ट्री को ठीक कर देते थे।

वे समस्याओं का पता लगाएंगे। वे आपूर्ति श्रृंखला की समस्याओं को ठीक करेंगे। चाहे जो भी करना पड़े, जब रे ने कहा कि वह साथ काम करने जा रहा है... रे, मैं उसे नहीं जानता।

जब श्री क्रोक ने कहा कि वे एक आपूर्तिकर्ता के साथ काम करने जा रहे हैं, तो उन्होंने आपूर्तिकर्ता के साथ काम किया क्योंकि उनका वचन ही उनका वचन था - कठोर ईमानदारी।

और मुझे लगता है कि यीशु यही कहना चाह रहे हैं। हमें ऐसे ही लोग होने चाहिए। और, आप जानते हैं, जब आप मिलते हैं तो कुछ लोग कहते हैं, नहीं, मैं वादा करता हूँ, मैं वादा करता हूँ।

वे क्या कह रहे हैं? हाँ, मुझे पता है कि आप आम तौर पर मुझ पर भरोसा नहीं करते, लेकिन इस बार आप वाकई कर सकते हैं। कितना बेहतर होगा कि आप कहें, हाँ, हाँ, मैं ऐसा करूँगा। आप जानते हैं, क्या शपथ लेने का कोई समय होता है? खैर, कुछ ऐसे समय होते हैं जब लोग ना कहते हैं।

एनाबैपटिस्ट, मोरावियन, यहोवा के साक्षी और केकर। क्या केकर अभी भी इस स्थिति पर कायम हैं? जब हमें फ्रैंक की ज़रूरत होती है तो वह कहाँ होता है? हमारे जीवन में सभी समस्याओं का कारण, फ्रैंक। क्या केकर अभी भी इस स्थिति पर कायम हैं? ठीक है, आप पुष्टि कर सकते हैं।

इसका क्या मतलब है? आप यह नहीं कह रहे हैं कि मैं भगवान की कसम खाता हूँ, लेकिन आप पुष्टि कर सकते हैं कि हाँ, मैं यही करने का वादा करता हूँ, इस तरह की बात। ठीक है, ठीक है। लोगों का यह समूह ऐतिहासिक रूप से अदालत में शपथ नहीं लेगा, वे हलफनामे पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे, और वे निष्ठा की शपथ नहीं लेंगे।

इससे इतिहास बन जाता है। फिर से, आज इस मामले में केकर कहाँ हैं? खैर, कोई भी निष्ठा की शपथ नहीं लेता। मैंने जेसी वाटर्स की दुनिया को दूसरी रात देखा जब वह घूम रहा था, कुछ-कुछ वैसा ही जैसा जे लेनो किया करते थे, सड़क पर चलने वाला आदमी, लोगों से पूछ रहा था, क्या वे निष्ठा की शपथ जानते हैं? मुझे नहीं लगता कि उसे कोई ऐसा व्यक्ति मिला जो निष्ठा की शपथ जानता हो।

यह वाकई आश्चर्यजनक था। लेकिन क्या केकर्स निष्ठा की शपथ लेंगे, या यह अभी भी वर्जित है? ठीक है, ठीक है, ठीक है। वैसे भी, ऐसे लोग हैं जो कहते हैं, नहीं, यह यीशु कहते हैं, और इसलिए हम शपथ नहीं लेने जा रहे हैं।

मेरी स्थिति यह है कि मैं एक योग्य हाँ देना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि ऐसे समय होते हैं जब शपथ लेना ठीक है। इसका एक हिस्सा माउंट पर उपदेश की भाषा से संबंधित है, जैसे मैं अपने हाथ नहीं काटता और अपनी आँखें नहीं निकालता।

मैं समझता हूँ कि यीशु एक ऐसी संस्कृति से बात कर रहे हैं जो झूठ बोल रही है, धोखा दे रही है, और वह एक बात कहना चाह रहे हैं। देखो, बस ईमानदार रहो, लोगों। हर बात पर अपनी उँगलियाँ क्रॉस मत करो।

लेकिन परमेश्वर शपथ लेता है। उसने शपथ ली कि वह जलप्रलय के बाद फिर कभी संसार को नष्ट नहीं करेगा। उसने प्रतिज्ञा की वाचाओं को सील कर दिया, है न? उसने अब्राहम को सुलाकर और मारे गए जानवरों के बीच चलकर अपने वादे को सील कर दिया।

पॉल ईश्वर को साक्षी कहते हैं, जो कि मूलतः एक शपथ है। लेकिन मुझे लगता है कि हम सभी इस बात पर सहमत हो सकते हैं कि हमें ऐसे लोग नहीं होना चाहिए जिन्हें शपथ लेनी पड़े। हमें पूरी तरह ईमानदार होना चाहिए और पूरी तरह ईमानदार होने के लिए जाना जाना चाहिए, और जब डेव हाँ कहते हैं, तो उनका मतलब शायद नहीं होता।

उसका मतलब हाँ है, और वह बिल्कुल उसी तरह का व्यक्ति है। ऐसे समय हो सकते हैं जब आप पुष्टि करना चाहते हैं या उस भाषा का उपयोग करना चाहते हैं। मैंने 32 साल पहले रॉबिन को सबसे ज़्यादा प्यार करने और संजोने की शपथ ली थी।

विवाह एक शपथ है। यह एक अनुबंध की स्थापना है। इसलिए मैंने कसम खाई, मैंने वादा किया, और मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ भी गलत है।

लेकिन इसका जोर जो सभी पर लागू होता है, वह यह है कि हम इतने सख्त ईमानदार हैं कि हमें बस हाँ या ना कहना है, और लोग हमारी बात मान लेंगे। मुझे लगता है कि यही हो रहा है। हाँ, सच बताना, जो आपने अभी कहा उसके विपरीत।

इसलिए कठोर ईमानदारी अद्भुत है। अगर आप कल्पना करें, तो आप जानते हैं, चर्च के खिलाफ सबसे बड़ा आरोप यह है कि हम पाखंडी हैं। कल्पना करें कि अगर चर्च वाकई में कठोर ईमानदार होता, तो यह कैसे दूर हो जाता।

दुनिया को शिकायत करने के लिए कुछ और मिल जाएगा, लेकिन कम से कम हम उससे छुटकारा तो पा सकते हैं। ठीक है, तो हम आगे बढ़ते हैं, हाँ। ओह हाँ, हाँ, हाँ, अच्छी बात है, हाँ।

हाँ, परिस्थितिजन्य नैतिकता उन शब्दों में से एक है जो संभवतः विरोधियों द्वारा बनाए गए हैं, और आप कभी भी किसी और को अपनी स्थिति को परिभाषित करने नहीं देना चाहते। हाँ, कोरी, ओह हाँ, हाँ, कोरी टेन बूम, यह कोरी टेन बूम और उसकी बहन के बीच का अंतर है। उसने फैसला किया कि वह झूठ बोलेगी।

उसकी बहन ने कहा कि वह झूठ नहीं बोलेगी। ठीक है, मुझे लगता है कि इसका उत्तर यह है कि हम सभी के पास नैतिकता का एक पदानुक्रम है। अन्य बातों के अलावा, एक पत्नी को बताया जाता है कि उसे अपने पति के प्रति विनम्र भावना रखनी चाहिए, ठीक है, लेकिन जब पति उसे करों पर झूठ बोलने के लिए कहता है, तो उसे मना कर देना चाहिए, इसलिए नहीं कि वह विद्रोही

हो रही है, बल्कि इसलिए क्योंकि हमारे पास नैतिकता का एक पदानुक्रम है, और भगवान ने हमें ईमानदार होने के लिए कहा है, और इसलिए हम सभी के पास ये पदानुक्रम हैं, है न? और इसलिए उस मुद्दे से निपटने का यही औपचारिक तरीका है।

मुझे नहीं पता कि मैं कभी ऐसी स्थिति में रहा हूँ या नहीं, हाँ, एक स्थिति ऐसी है जिसमें मैं हमेशा झूठ बोलता हूँ, और वह तब होता है जब मैं अपनी पत्नी को कोई उपहार खरीदता हूँ। जब क्रिसमस की बात आती है तो मैं झूठ बोलने की अनुमति माँगता हूँ, क्योंकि मेरी पत्नी चीज़ों को आसानी से समझ लेती है। इसलिए, मैं हमेशा जून में उसे क्रिसमस का उपहार खरीदता हूँ और फिर उसे छिपा देता हूँ।

तो, मुझे नहीं पता, ऐसी और कौन सी परिस्थितियाँ होंगी, जिनमें, मेरा अनुमान है, अगर आप किसी दुर्व्यवहार के शिकार व्यक्ति को हमलावर से बचाने की कोशिश कर रहे हैं, तो यह एक पदानुक्रमिक, एक उच्च नैतिकता है, और हमें कमज़ोर लोगों की रक्षा करने की ज़रूरत है। हाँ, अगर यह पोशाक मुझे मोटा दिखाती है क्योंकि आपका पदानुक्रम विवाह की स्थायित्व कहता है, तो आप कहते हैं कि नहीं। क्या आपको लगता है कि मैं बेवकूफ़ हूँ? नहीं, मैं बस झूठ बोलूँगा।

बलि। जब तुम जेसी के घर की ओर जाओगे तो तुम क्या करोगे? मैंने सैमुअल से कहा कि वह परिणामों के बारे में चिंतित है। तुम मिर्च साथ ले जाओ, और अगर कोई पूछे तो तुम कहो कि तुम बलि चढ़ाने जा रहे हो।

खैर, इसका मतलब है कि उसने पूरा सच नहीं बताया। हम सभी परिस्थितियों में पूरा सच बताने के लिए बाध्य नहीं हैं। परमेश्वर ने नहीं सोचा था कि शमूएल पूरा सच बोलने के लिए तैयार है।

हाँ, जब तक शमूएल वही कर रहा था जो परमेश्वर ने उसे करने के लिए कहा था। आप जानते हैं, एक बढ़िया, एक उदाहरण है। यीशु घर में जा रहा है, लड़की मर चुकी है, हर कोई रो रहा है, और वे उससे कहते हैं, वह कहता है, वह बस सो रही है।

और वे जाते हैं, नहीं। वह जाता है, और वह उसे मृतकों में से जीवित करता है। अब, क्या यीशु ने झूठ बोला था? मैंने हमेशा सोचा था कि उसने झूठ बोला था, और फिर मुझे एहसास हुआ कि वास्तव में एक बहुत अधिक मौलिक धार्मिक सत्य काम कर रहा था, कि यीशु मृत्यु को आपके और मेरे जैसे नहीं देखता है, और वह एक बहुत ही महत्वपूर्ण धार्मिक स्तर पर सो रही थी।

वह मौत की नींद सो रही थी, लेकिन वह सो रही थी, और वह उसे जगाने जा रहा था। बहुत महत्वपूर्ण स्तर पर, उसने बिल्कुल भी झूठ नहीं बोला। अब हाँ, वह नहीं चाहता था कि लोगों को पता चले कि उसने उसे मृतकों में से जीवित किया है, क्योंकि इससे उपदेश देना लगभग असंभव हो जाता, लेकिन यह दिलचस्प था कि उसने यह कैसे कहा, मुझे लगा।

राहाब ने जासूसों को छिपाया। हाँ, राहाब ने जासूसों को छिपाया। हाँ, हम सभी में परिस्थितिजन्य नैतिकताएँ होती हैं।

मैं सिर्फ़ एक व्यक्ति से मिला हूँ जो इस बात पर ज़ोर देता है कि वह झूठ नहीं बोलता और वह किसी भी परिस्थिति में झूठ नहीं बोलेगा, अपनी पत्नी को मारे जाने या किसी और चीज़ से बचाने के लिए नहीं, और मुझे लगता है कि अगर ऐसी परिस्थिति होती है, तो वह झूठ बोल सकता है, क्योंकि वह एक अच्छा इंसान है।

ठीक है, अगला। ईसाई अधिकारों का पूरा मुद्दा, 5:38 से 42। आपने सुना है कि यह कहा गया था, ओह, मैं बताना भूल गया, ध्यान दें कि यीशु क्या कर रहे हैं। वह नहीं कर रहे हैं, वह फरीसी व्याख्या से निपट रहे हैं, लेकिन जहाँ पुराने नियम में कहा गया है कि जब तक आप शपथ लेते हैं, तब तक शपथ लेना ठीक है, वह कहते हैं कि बस ऐसा न करें, और यह उन संकेतों में से एक है कि यीशु खुद को पुराने नियम पर सर्वोच्च मानते हैं, न केवल इसे सही व्याख्या देने के लिए, बल्कि संभावित रूप से इसे खारिज करने के लिए। इसलिए, वह यह नहीं कहते कि अपनी शपथ रखें, वह कहते हैं कि हाँ, मुझे पता है कि पुराने नियम में कहा गया है कि आप शपथ ले सकते हैं, बस ऐसा न करें।

मसीह की सर्वोच्चता। हाँ, यह एक और उदाहरण होगा। हाँ, एक और उदाहरण, हाँ।

अच्छा। फिर से, आपने बहुत पहले लोगों से यह कहते हुए सुना होगा, ओह मुझे खेद है, आपने भी यही बात सुनी है। आपने सुना होगा कि कहा जाता था कि आँख के बदले आँख, दाँत के बदले दाँत, लेक्स टैलियोनिस तकनीकी शब्द है, लेकिन मैं आपको बताता हूँ, किसी बुरे व्यक्ति का विरोध मत करो।

खैर, इसका क्या मतलब है? मैं आपको चार उदाहरण देता हूँ। अगर कोई आपके दाहिने गाल पर थप्पड़ मारे, तो दूसरा गाल भी उसके सामने कर दो। अगर कोई आप पर मुकदमा करना चाहता है और आपकी शर्ट लेना चाहता है, तो आप जानते हैं, यहाँ अनुवाद उल्टा है।

अपनी शर्ट ले लो, अपना कोट भी दे दो। नहीं, मुझे खेद है, नहीं, यह सही है, मुझे खेद है। अगर कोई तुम पर मुकदमा करना चाहता है और तुम्हारी शर्ट, अंदरूनी वस्त्र लेना चाहता है, तो अपना कोट, बाहरी वस्त्र भी दे दो।

अगर कोई तुम्हें एक मील चलने के लिए मजबूर करे, तो उसके साथ दो मील चलो। जो तुमसे मांगे उसे दो और जो तुमसे उधार लेना चाहे उसे ठुकराओ मत। यह दुनिया के सबसे पुराने कानूनों में से एक, लेक्स टैलियोनिस, यानी आँख के बदले आँख, दाँत के बदले दाँत का प्रतिबिंब है और इसका मूल उद्देश्य प्रतिशोध की वृद्धि को सीमित करना था।

दूसरे शब्दों में, अगर कोई मेरी आँख निकालता है, तो मैं सिर्फ़ उसकी आँख निकाल सकता हूँ। कोई मेरा दाँत निकालता है, मैं उसके दो दाँत नहीं निकाल सकता; मैं सिर्फ़ उसका एक दाँत ही निकाल सकता हूँ। इसलिए, मूल इरादा तनाव को सीमित करना था।

यह व्यवस्थाविवरण 19:21 में है। पुराने नियम में दिलचस्प बात यह है कि न्यायाधीशों का विशेषाधिकार है। यह कोई व्यक्तिगत विशेषाधिकार नहीं था। समाज में व्यवस्था बनाए रखने के लिए न्यायाधीशों को अपना काम करने के लिए यही नियंत्रित करता था।

और फिर, यह प्रतिबंधात्मक था। यह बढ़ते प्रतिशोध के चक्र को तोड़ने के लिए था। फिर फरीसी आए, और उन्होंने क्या किया? वे कानून के इरादे को बदलना चाहते थे, और वे इसे राज्य के दायरे से व्यक्ति के दायरे में ले गए।

मेरे पास मेरे अधिकार हैं। उन्होंने इसे प्रतिबंधात्मक, सिर्फ एक दांत से ज्यादा कुछ नहीं, से हटाकर निर्देशात्मक बना दिया है। मुझे आपका दांत लेने का अधिकार है, और मैं आपका दांत लेने जा रहा हूँ।

जहाँ तक मुझे पता है, इसे कभी भी अनिवार्य बनाने का इरादा नहीं था। अब फिर से, कार्ल्स का इस पर थोड़ा अलग दृष्टिकोण है, लेकिन मेरी समझ से इसका कभी भी अनिवार्य बनाने का इरादा नहीं था, हमेशा प्रतिबंधात्मक होना था। इस अंश को समझने में, मैं कहता हूँ कि इस अंश को समझने का एकमात्र तरीका जो मैं जानता हूँ वह है इसे अगले अंश के प्रकाश में समझना क्योंकि अगले अंश में, अपने शत्रुओं से प्रेम करो।

और मुझे नहीं पता कि इस पैराग्राफ, श्लोक 38 से 42 के साथ क्या करना है, जब तक कि आप प्रेम की अवधारणा को शामिल न करें। इसलिए, मुझे लगता है कि यीशु जानते थे कि वह चर्चा में कहाँ जा रहे थे क्योंकि यह प्रेम ही है जो हमें यह जानने में मदद करता है कि इस पैराग्राफ को कैसे लागू किया जाए। मुझे लगता है कि यीशु जो कह रहे हैं वह यह है कि जब यह प्रेम का कार्य हो तो हमें स्वेच्छा से अपने अधिकारों को सीमित करने के लिए तैयार रहना चाहिए; यह अगला पैराग्राफ है जब यह दूसरे व्यक्ति के लिए प्रेम का कार्य हो।

अब फिर से, प्यार इस पैराग्राफ में नहीं है, लेकिन यह एकमात्र तरीका है जिससे मैं इसे समझ सकता हूँ। आँख के बदले आँख, दाँत के बदले दाँत। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ, बुरे व्यक्ति का विरोध मत करो।

खैर, मैं किसी बुरे व्यक्ति का विरोध कब नहीं करता? क्या मेरी बेटी ने हमलावर को पीटकर गलत किया? बिलकुल नहीं। उसे उसे बुरी तरह पीटने का पूरा अधिकार था। इस मामले में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है।

इस अंश में धर्मग्रंथ में जो कुछ भी हो रहा है, वह वास्तव में हो ही नहीं सकता। और इसलिए, इसे पढ़ने का मेरा तरीका यह है कि मैं कैसे जानूँ कि मुझे कब ऐसा करना चाहिए और कब नहीं करना चाहिए? यह कब प्रेम का कार्य है? और मुझे पता है कि मैं अगले पैराग्राफ के लिए प्रेम से पढ़ रहा हूँ। तो, एक दुष्ट व्यक्ति का विरोध करने के चार उदाहरण हैं।

पहला, अगर कोई आपको दायँ गाल थपथपाए, तो दूसरा गाल भी उसके सामने कर दें। अब मैं इस मुद्दे पर कार्ल्स से असहमत हूँ, क्योंकि वह इस बात पर ज़ोर देता है कि इससे बुरी तरह चोट लगने की संभावना है। ठीक है।

और वह सही कह रहा है। यहाँ जो शब्द इस्तेमाल किया गया है वह डंडों से पीटने के लिए इस्तेमाल किया गया है। मैं यह समझता हूँ।

लेकिन इसकी कुंजी दाहिना गाल है। अब, आप यह जानते हैं, आप कभी भी अपने बाएं हाथ का उपयोग नहीं करते हैं। आपका बायाँ हाथ टॉयलेट के लिए है, और कुछ नहीं।

तो, आप बस... हम अपने दाहिने हाथ से क्यों हाथ मिलाते हैं? हाँ, क्योंकि यह बाथरूम में होता है और कहीं और नहीं। तो, सब कुछ दाहिने हाथ से किया जाता है। और इसलिए, आप किसी व्यक्ति के दाहिने गाल पर कैसे थप्पड़ मारते हैं? यह एक बैकहैंड थप्पड़ है।

तो, वह शारीरिक दुर्व्यवहार की बात नहीं कर रहा है। वह अपमान की बात कर रहा है। ठीक है।

वह नाक पर मुक्का मारने की बात नहीं कर रहा है। डेव के दाहिने गाल पर अपने दाहिने हाथ से वार करने का एकमात्र तरीका यही है। इसलिए, मुख्य रूप से वह शारीरिक दर्द से ज्यादा अपमान की बात कर रहा है।

हाँ। हाँ, यही कारण है कि वह एग्लोन को चाकू मारने में सक्षम था। हाँ, क्योंकि आप अपनी बाईं ओर से दायाँ तलवार खींचते हैं।

वह बाएं हाथ का है, इसलिए उसकी तलवार यहाँ है। वे गलत तरफ से जाँच कर रहे हैं। इसलिए वह मेटल डिटेक्टर से बच निकला।

गलत तरफ़। बायाँ हाथ। मेरा मतलब है, इसीलिए सालों तक बाएँ हाथ को अभिशाप माना जाता रहा।

इसीलिए डेविड के पास एक सेना थी, और पूरी बटालियनों में से एक, जो भी शब्द हो, बाएं हाथ के गोफनधारियों की थी। यह बहुत ही असामान्य था। मैं अपने छोटे भाई को, जो बाएं हाथ का था, हमेशा चिढ़ाता था, लेकिन उसने सोचा कि यह मज़ेदार नहीं है, इसलिए मैंने उसे चिढ़ाना बंद कर दिया।

इसका क्या मतलब नहीं है? यह गैर-ईसाई समाज के लिए कोई नैतिकता नहीं है। गैर-ईसाई समाज एक समाज के रूप में दूसरा गाल आगे करने में पूरी तरह से असमर्थ है। यह शिष्यों के लिए उपदेश है, समाज के लिए नहीं।

यह राज्य की भूमिका पर चर्चा नहीं कर रहा है। मुझे नहीं लगता कि आप इसे निष्क्रियता के लिए प्रमाण पाठ के रूप में उपयोग कर सकते हैं। किंग जेम्स अनुवाद वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है।

इसमें कहा गया है, बुराई का विरोध मत करो। खैर, हमें बुराई का विरोध करना है। यह दुष्ट व्यक्ति है।

और इसलिए, सवाल यह है कि हम बुरे व्यक्ति का विरोध कब करते हैं? जब वे हमें गाल पर थप्पड़ मारकर अपमानित करते हैं, तो हम दूसरा गाल भी कब दिखाते हैं? और मुझे लगता है कि यह तब होता है जब प्रेम का कार्य होता है। लेकिन कम से कम, यह अंश कह रहा है कि हमें

अपने व्यक्तिगत अधिकारों को त्यागने के लिए तैयार रहना चाहिए यदि ऐसा करना प्रेम का कार्य होगा। यह बोनहोफर की शिष्यता में प्रसिद्ध पंक्ति है।

सुसमाचार आपको आने और मरने के लिए कहता है। आप अपने अधिकारों के लिए मर जाते हैं। आप अपने अधिकारों के लिए मर जाते हैं।

बेशक, क्या इसका मतलब यह है कि हमें किसी भी तरह के शारीरिक या भावनात्मक दुर्व्यवहार को स्वीकार करना होगा? क्या इसका मतलब यह है कि हम खुद की रक्षा नहीं करते? बिल्कुल नहीं। राज्य दुर्व्यवहार को दंडित करने के लिए मौजूद है। ऐसे समय होते हैं जब पॉल अपने अधिकारों पर जोर देता है।

फिलिप्पियों ने प्रेरितों के काम 16 में आकर कहा, ठीक है, हमने फैसला किया है कि तुम जा सकते हो। और वह कहता है, ओह सच में? रोमन नागरिक, आप बिना किसी मुकदमे के रोमन नागरिक को कैद करते हैं, यह मृत्युदंड होगा। मैं कहीं नहीं जा रहा हूँ।

और उसने नेताओं को उसे टिकट टेप परेड देने के लिए कहा, ताकि वह नवजात चर्च की रक्षा के लिए शहर से बाहर निकल सके। हाँ, पॉल ने अपने अधिकार पर जोर दिया। भगवान तुम्हें मारेंगे, तुम सफेदी वाली दीवार।

पॉल ने महायाजक से ऐसा कहना गलत नहीं था। लेकिन फिर से, हमारे पास ऐसे लोगों के उदाहरण हैं, जैसे कि इस मामले में पॉल ने अपने अधिकारों पर जोर दिया, चाहे उसका उद्देश्य कुछ भी हो। दूसरा गाल आगे कर देना एक सिद्धांत का उदाहरण है।

यह गैर-प्रतिशोध का सिद्धांत है। हम कब प्रतिशोध नहीं करते? मुझे लगता है कि यह तब होता है जब यह प्रेम का कार्य होता है। मैं जो कहानी सुनाता हूँ, काश मैंने फुलर प्रोफेसर को यह कहानी सुनाते हुए सुना होता, लेकिन यह 60 के दशक की बात है, और वह कहीं नीचे यहाँ, कहीं दूर, कम से कम गहरे दक्षिण में, उन्होंने यह कहानी सुनाई थी।

यह एकीकरण से पहले की बात है, तब भी काले और सफेद चर्च थे। मुझे आपका अनुभव नहीं पता। हम 67 में कैंटकी चले गए।

यहाँ अभी भी काले और सफेद रंग के बाथरूम, काले और सफेद रंग के पानी के फव्वारे हैं। इसलिए, मुझे नहीं पता कि यहाँ नीचे क्या था। लेकिन वह एक तरह का क्रांतिकारी युवा पादरी था, यहाँ दक्षिण में कहीं किसी छोटे चर्च में आदर्शवादी युवा पादरी।

और उन्होंने एक अश्वेत व्यक्ति को चर्च में आमंत्रित किया, एक अफ्रीकी अमेरिकी को चर्च में, इससे पहले कि आप ऐसा कर सकें। और अगले रविवार की सुबह, जब वह उपदेश देने के लिए उठे, तो चर्च के पिछले दरवाज़े खुले हुए थे, और एक बहुत बड़ा, बहुत नशे में धुत श्वेत व्यक्ति चर्च के पीछे से आया, पादरी पर एक अफ्रीकी अमेरिकी को लाने के बारे में चिल्लाने और चिल्लाने लगा। मुझे यकीन है कि वह ऐसा नहीं कह रहा था, बल्कि इस श्वेत चर्च में एक अफ्रीकी अमेरिकी को लाने के बारे में कह रहा था।

और यह स्पष्ट था कि वह पादरी पर हमला करके उसे पीटने वाला था। पादरी वहीं बैठा था, और उसने कहा कि वह इस बारे में सोच रहा था; यह पादरी फुलर का प्रोफेसर था जिसने कहानी सुनाई थी। और वह वहीं बैठा सोच रहा था कि मैं क्या करूँ? मैं क्या करूँ? क्या मैं दूसरा गाल आगे कर दूँ? क्या मैं दूसरा गाल आगे न करूँ? और उस समय उसका निर्णय बस अपने हाथ नीचे करना था, और उस आदमी ने उसे बुरी तरह पीटा।

बस उसे बुरी तरह पीटना चाहिए। कहानी में विडंबना यह है कि पादरी दो बार गोल्डन ग्लव्स बॉक्सिंग चैंपियन रह चुका है। उसे उस आदमी को खुद को छूने नहीं देना था।

मेरा मतलब है, वह शराबी को मार सकता था। लेकिन उसने कहा, और उसने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि आपको हर समय ऐसा करना चाहिए, लेकिन मेरे लिए इस स्थिति में, इस समय, नागरिक अशांति की शुरुआत के साथ, चर्च को नेतृत्व करने की आवश्यकता के साथ, यह प्रेम का कार्य था। और इसलिए, मैंने अपने हाथ नीचे कर दिए, और मुझे इसके लिए पीटा गया।

मुझे लगता है कि यही दूसरा गाल दिखाने का काम है। और हम, हमारी प्रतिक्रिया, खास तौर पर शारीरिक रूप से, अपने अधिकारों पर जोर देना और उनकी रक्षा करना तथा जवाबी कार्रवाई करना है। लेकिन हमें जवाबी कार्रवाई न करने के लिए तैयार रहना होगा।

और मुझे ऐसा नहीं लगता; मुझे लगता है कि ये पल आते हैं, और उनके लिए तैयारी करने का कोई तरीका नहीं है। और आप बस कहते हैं, आत्मा, मुझे बताओ कि क्या करना है। मुझे बताओ कि क्या करना है।

लेकिन यह उसका चुनाव था। मैंने सोचा, यह दमदार कहानी है। दूसरा गाल भी आगे कर दो।

यह गहरी आज्ञाकारिता का दूसरा उदाहरण है। अगर कोई आप पर मुकदमा चलाना चाहे और आपकी कमीज़ लेना चाहे, तो अपना कोट भी उसे दे दें। कमीज़ आपका अंदरूनी वस्त्र है।

कोट वह बाहरी वस्त्र है जो आपको रात में गर्म रखता है। इसे जीवन के लिए इतना मौलिक माना जाता था कि यहूदी कानून ने भी इसे एक अविभाज्य अधिकार बना दिया था। आप किसी व्यक्ति पर किसी अपराध के लिए मुकदमा कर सकते हैं, और आप किसी व्यक्ति पर उसके बाहरी कोट को छोड़कर हर चीज़ के लिए मुकदमा कर सकते हैं।

कोई भी कानून आपको बाहरी कोट लेने की अनुमति नहीं देगा। यीशु कह रहे हैं, "बुरे व्यक्ति का विरोध मत करो।" इसका मतलब है कि वे आप पर मुकदमा चलाएँगे और आपकी कमीज़ ले लेंगे।

जब वे आपकी कमीज़ ले लें, तो अपना कोट भी दे दें। अब, ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे यीशु किसी से यह उम्मीद करें कि वह अपने सारे कपड़े उतार दे और नंगा होकर इधर-उधर भागे। ऐसा नहीं हो रहा है, है न? जब तक कि आप सैन फ्रांसिस्को में न हों।

हाँ, जब तक कि आप सैन फ्रांसिस्को में न हों, ठीक है। हाँ, यीशु क्या नहीं कह रहे हैं? वह यह नहीं कह रहे हैं कि अदालत छोड़कर सिर्फ एक लंगोटी पहन लें। वह यह नहीं कह रहे हैं कि हम हमेशा अपनी कानूनी सुरक्षा को नज़रअंदाज़ करें।

सवाल यह है कि क्या आप प्रेम के कार्य के रूप में अपने अधिकारों को त्यागने के लिए तैयार हैं, भले ही इसका मतलब संपत्ति का नुकसान उठाना हो? तीसरा दृष्टांत, श्लोक 41. अगर कोई आपको एक मील जाने के लिए मजबूर करता है, तो उसके साथ दो मील चले जाओ। यह संभवतः रोमनों द्वारा अपनाए गए फ़ारसी कानून का प्रतिबिंब है, जो मूल रूप से भर्ती का एक रूप है।

ऐसा ही कुसू के साथ हुआ, वह व्यक्ति जिसने क्रूस उठाया था। कुरेनी के शमौन, तुम्हारा धन्यवाद - वह व्यक्ति जिसने क्रूस उठाया था।

एक रोमन सैनिक आपको एक मील तक अपना सामान ढोने के लिए मजबूर कर सकता था, आपका घोड़ा ले सकता था और उसे एक मील तक इस्तेमाल कर सकता था। वे क्या कर सकते थे, इसकी एक सीमा थी, लेकिन उन्हें ऐसा करने का अधिकार था। और शायद यही इसकी पृष्ठभूमि है।

और वह कह रहा है, क्या तुम उस घृणित रोमन सैनिक के लिए दो मील चलने को तैयार हो जो तुम्हें यह असाधारण रूप से भारी बैग उठाने के लिए मजबूर कर रहा है? खैर, मैं कहूंगा, क्या यह प्रेम का कार्य है? यीशु क्या नहीं कह रहे हैं? वह यह नहीं कह रहे हैं कि मैं अतिरिक्त मील जाऊंगा, लेकिन एक इंच भी आगे नहीं जाऊंगा। मेरे पास मेरे अधिकार हैं। दूसरे गाल को आगे करने के बारे में पुराने मज़ाक की तरह।

ठीक है, मेरे गाल पर मारो, पलटो, मेरे गाल पर मारो। अब, मैं तुम्हें बुरी तरह हरा सकता हूँ क्योंकि मैं ऐसा कर सकता हूँ। वे यह नहीं कह रहे हैं कि दूसरा मील आगे बढ़ो, एक इंच भी आगे नहीं।

वे कह रहे हैं, क्या आप प्रेम के कार्य के रूप में अपने अधिकारों का त्याग करने के लिए तैयार हैं? भले ही इसका मतलब शारीरिक दर्द सहना और सम्मान और समय की हानि हो। क्या आप ऐसा करने के लिए तैयार हैं? क्या आप ऐसा करने के लिए तैयार हैं?

चौथा उदाहरण गहरी आज्ञाकारिता का अंतिम उदाहरण है। अगर कोई आपको एक मील चलने के लिए मजबूर करता है, तो उसके साथ चले जाएं, मुझे खेद है, जो आपसे मांगे उसे दीजिए और जो आपसे उधार लेना चाहता है, उससे मुंह मत मोड़िए।

लोगों को, दूसरे यहूदियों को, बिना ब्याज के पैसे उधार देने के बारे में कई कानून हैं, सूदखोरी अवैध थी, आप जानते हैं, ब्याज वसूलना अवैध था। एक यहूदी दूसरे यहूदी को दिए गए कर्ज पर ब्याज नहीं वसूल सकता था। और इसका मतलब यह नहीं है कि वे इसका पालन करते थे, लेकिन कानून ऐसा ही है।

और एक कहावत है, आप जानते हैं कि अगर किसी को पैसे उधार लेने की ज़रूरत है और शायद इसका मतलब है कि वे हताश हैं, तो आपको उन्हें उधार देने के लिए तैयार रहना चाहिए। यीशु क्या नहीं कह रहे हैं? वह यह नहीं कह रहे हैं कि हमें अपना पैसा अंधाधुंध तरीके से दे देना चाहिए। वह कह रहे हैं, क्या आप प्रेम के कार्य के रूप में अपने अधिकारों को छोड़ने के लिए तैयार हैं? भले ही इसका मतलब अपने पैसे को छोड़ना हो, क्या आप अपने पैसे को इतनी आसानी से पकड़ेंगे कि यह प्रेम के कार्य के रूप में आपकी उंगलियों के बीच से आसानी से गिर जाए? या क्या आप अपनी मुठियाँ इतनी कसकर बंद कर लेंगे कि कोई भी उनमें से एक पैसा भी नहीं निकाल पाएगा? और यह दिलचस्प है, लूका 6:35 में कुछ हद तक समानांतर अपने दुश्मनों को पैसे उधार देने के बारे में बात करता है।

तो, इसका पूरा मुद्दा लेक्स टैलियोनिस है। यीशु व्यक्तिगत नैतिकता के संदर्भ में कह रहे हैं कि अगर यह प्रेम का कार्य है, तो हमें अपने अधिकारों को त्यागने के लिए तैयार रहना चाहिए। बहुत गैर-अमेरिकी, बहुत गैर-अमेरिकी।

मुझे खेद है, मैं अपने चित्रण को लेकर भ्रमित हो रहा हूँ। मैंने दूसरे दिन समाचार में सुना कि एक राजनेता की बेटी ने किसी पर पाँच मिलियन का मुकदमा किया है क्योंकि उसके टखने में मोच आ गई है। हाँ, ठीक है, मैं पिता की बात कर रहा हूँ।

हाँ, यह बिलकुल अलग मुद्दा है, है न? मेरा मतलब है, किस तरह का व्यक्ति सोचता है कि यह सूजा हुआ टखना पाँच मिलियन डॉलर का है? हम अधिकारों और हक के युग में रहते हैं, है न? हमें लगता है कि हमारे पास अधिकार हैं। मेरा मतलब है, आप यूनिवर्सिटी के खरबों डॉलर के कर्ज के बारे में कुछ बातें सुनते हैं, और लोग इतने परेशान हैं कि उन्हें इसे वापस चुकाना पड़ रहा है। मुझे इसे वापस नहीं चुकाना चाहिए।

सच में? खैर, आपने एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। आपने पैसे लिए। आपने पैसे खर्च किए।

आपका फैसला कितना है? हम ऐसे समय में जी रहे हैं जब अधिकार और अधिकार बहुत ज़्यादा हैं, और हम ऐसी संस्कृति में जी रहे हैं जिसमें कोई सम्मान नहीं है, है न? हमारे आस-पास बहुत कम, अगर कोई है भी तो, सम्मान है। क्योंकि जब आप इसे देखते हैं, तो यह आपको चौंका देता है। यह रेलेना थी।

यह बिस्किटविले में गया था, और मैंने अपना चश्मा पहना हुआ था, इसलिए मैं रसीद नहीं पढ़ सका। मैं अपना नंबर खोजने की कोशिश कर रहा था, और मेरे बगल में बैठा आदमी बोला, ओह, मैं तुम्हारी मदद करता हूँ। ओह, तुम 43 नंबर की हो।

अब, जहाँ से मैं आता हूँ, वहाँ ऐसा कभी नहीं होता। मुझे पता है कि यह दक्षिणी आतिथ्य का हिस्सा है, और मैं इसे मिस कर रहा हूँ, लेकिन यह एक अनुग्रह का कार्य था। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि इसने मुझे चौंका दिया क्योंकि वह आदमी आया, और मैं चौंक गया। तुम क्या कर रहे हो? और वह बोला, ओह, तुम 43 साल के हो।

मुझे लोगों द्वारा मेरे साथ शालीनता से पेश आने की आदत नहीं है। और यही वह दुनिया है, जिसमें हम ज़्यादातर समय रहते हैं। ठीक है, तो लेक्स टैलियोनिस, गैर-प्रतिशोध।

चलो आखिरी बात पर आते हैं। हमारे पास थोड़ा समय बचा है। हम इसे खत्म कर सकते हैं।

दुश्मनों से प्यार करने वाली बात, अगर आप यहाँ से शुरू करते हैं, तो आप हर बार असफल होंगे, है न? अपने दुश्मनों से प्यार करना सीखने का एकमात्र तरीका आध्यात्मिक भ्रष्टता में वापस जाना है, है न? और जब आपको एहसास होता है कि भगवान आपसे प्यार करते हैं, भले ही आपके पास देने के लिए कुछ भी न हो, और आपको एहसास होता है कि भगवान ने शांति बनाई, भले ही उस समय यह आपके लिए कुछ विदेशी था, और आपके पास शांति बनाने की क्षमता नहीं थी, और जब आप स्वर्ण श्रृंखला की शुरुआत में वापस जाते हैं, और आप देखते हैं कि आप कौन हैं, और भगवान कौन हैं, और भगवान कैसे व्यवहार करते हैं, तो यह आपके दुश्मनों से प्यार करने का मार्ग है। वहाँ पहुँचने का कोई और तरीका नहीं है, है न? मैं किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानता जो खुद को अपने दुश्मनों से प्यार करने के लिए मजबूर कर सके। ऐसा नहीं हो सकता।

यह अध्याय पाँच में एक बहुत लंबी प्रक्रिया का अंत है। यीशु पहले आशीर्वाद के बाद से इस अनुच्छेद की ओर बढ़ रहे हैं। जिस हद तक हमारा जीवन पिछले छंदों को दर्शाता है, हम उसी हद तक अपने दुश्मनों से प्यार करने में सक्षम होंगे।

अपने शत्रुओं से प्रेम करना गरीबी, आत्मा, अपने पापों पर शोक, इत्यादि से निकलता है। मुझे ऑगस्टीन का यह उद्धरण बहुत पसंद है। यह स्टॉट में था।

वह कहते हैं, " बहुतों ने दूसरा गाल आगे करना सीख लिया है, लेकिन वे यह नहीं जानते कि जिसने उन्हें मारा है, उससे प्यार कैसे करें। यह वाकई बहुत मुश्किल है, है न? शायद अगर हम बदला न लें, तो हम अपने बारे में बहुत अच्छा महसूस करेंगे, लेकिन हमसे यही अपेक्षित नहीं है। हमसे जो अपेक्षित है, वह यह है कि हम उस व्यक्ति से प्यार करें।

हमें उन बुजुर्गों से प्यार करना चाहिए जिन्होंने आपको नौकरी से निकालने के लिए लड़ाई लड़ी। हमें उन लोगों से प्यार करना चाहिए जो हमारी ज़िंदगी को दुखी बनाते हैं। क्या आप बस इस पैराग्राफ को छोड़ देंगे? नहीं, नहीं, नहीं, नहीं।

ठीक है। लेकिन आपने सुना है कि यह कहा गया था, अपने पड़ोसी से प्यार करो और अपने दुश्मन से नफरत करो। ठीक है, यहाँ सबसे स्पष्ट उदाहरण है कि हम बाइबल से नहीं, बल्कि फरीसियों की व्याख्या से निपट रहे हैं।

बाइबल कहती है, अपने पड़ोसी से प्यार करो, और वास्तव में, कुछ आयतों के बाद कहा गया है, ओह, वैसे, इसका मतलब है अपने दुश्मनों से प्यार करना। तो, इस मामले में, फरीसी शास्त्र की शिक्षा के बिल्कुल विपरीत चले गए। आपने सुना है कि आपके रब्बी क्या कहते हैं: अपने पड़ोसी से प्यार करो और अपने दुश्मन से नफरत करो, लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ, तुम अपने दुश्मनों से प्यार करो।

और इसका मतलब है कि आप उन लोगों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं जो आपको सताते हैं। आप ऐसा क्यों करेंगे? खैर, यह आपको स्वर्ग में अपने पिता के बच्चे या बेटे बनाता है। दूसरे शब्दों में, यह वही है जो आपके पिता करते हैं।

आपके पिता अपने दुश्मनों से प्यार करते हैं। जैसे-जैसे आप अपने दुश्मनों से प्यार करते हैं, आप अपने पिता की तरह बनते जा रहे हैं। देखिए कि वह लोगों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं।

वह बुरे और अच्छे लोगों पर सूरज उगने का कारण बनता है। वह धर्मी और अधर्मी दोनों पर बारिश बरसाता है। मेरा मतलब है, वह इसी तरह से काम करता है।

एक स्तर ऐसा है जिस पर वह सभी लोगों से प्यार करता है और उनके साथ अच्छा व्यवहार करता है। क्योंकि अगर आप उनसे प्यार करते हैं जो आपसे प्यार करते हैं, तो आपको क्या इनाम मिलेगा? क्या कर संग्रहकर्ता भी ऐसा नहीं करते? दूसरे शब्दों में, अगर आप उनसे प्यार करते हैं जिन्हें प्यार करना आसान है, तो यह बहुत बड़ी बात है। इसका कोई मतलब नहीं है।

और यदि आप केवल अपने लोगों को ही नमस्कार करते हैं, तो आप दूसरों से अधिक क्या कर रहे हैं? क्या बुतपरस्त भी ऐसा नहीं करते? बेशक, वे करते हैं। फिर, परिणति, केवल यह पैराग्राफ ही नहीं, बल्कि मैं 48 को एक नया पैराग्राफ बनाने के लिए तर्क देने जा रहा हूँ। मुझे नहीं पता कि मैं इसे NIV में पाऊँगा या नहीं, लेकिन मैं तर्क देने जा रहा हूँ कि मुझे लगता है कि 48 केवल धार्मिकता के इस अंतिम उदाहरण की परिणति नहीं है।

मुझे लगता है कि यह पूरी बात की परिणति है कि हमें परिपूर्ण, परिपक्व और संपूर्ण होने के लिए बुलाया गया है, ठीक वैसे ही जैसे हमारे स्वर्गीय पिता परिपक्व और संपूर्ण हैं। फिर से, फरीसी क्या करते हैं? उनके पास लैव्यव्यवस्था में यह आदेश है कि अपने शत्रु से प्रेम करो, और उन्होंने आदेश को सीमित करना शुरू कर दिया। और इसलिए, पड़ोसी कौन है? खैर, पड़ोसी सिर्फ यहूदी हैं।

गैर-यहूदियों से नफरत करना ठीक है। यूनानियों से नफरत करना ठीक है। बाकी सभी से नफरत करना ठीक है।

हमें बस अपने साथी यहूदियों से प्यार करना है। और यह बिल्कुल भी ऐसा नहीं है जो पाठ कह रहा है। एक चीज़ है जिससे हम नफरत करते हैं, और वह है बुराई।

हमारे पास सभी शाप भरे भजन हैं, और हमें बुराई से घृणा करने के लिए कहा गया है। हमें अपने शत्रुओं से घृणा करने के लिए नहीं कहा गया है। दिलचस्प बात यह है कि हमारे पास इस पर चर्चा करने का समय नहीं है, लेकिन पुरानी कहावत सुनना वाकई आम बात है, भगवान पापी से प्यार करते हैं, पाप से घृणा करते हैं।

इसमें समस्या क्या है? उन्हें अलग करना वाकई मुश्किल है। बाइबल ऐसा नहीं कहती। है न? शाप देने वाले भजनों में, परमेश्वर स्पष्ट रूप से पापी से घृणा करता है।

वह स्पष्ट रूप से पापी से घृणा करता है। फिर, मैं एक दिन वेस्टर्न में गैरी ब्रेशियर्स के पास गया, और मैंने कहा, "हम पापी से प्रेम करने और पाप से घृणा करने के बारे में बात कर रहे थे।" और उसने कहा, "यह बहुत आसान है।"

परमेश्वर दोनों से घृणा करता है। यह कैसे काम करता है? वह आगे कहता है कि केवल परमेश्वर के पास पूर्ण प्रेम और पूर्ण घृणा है। वह पाप और पापी से घृणा करने में सक्षम है और साथ ही, पापी से प्रेम करने और उसके लिए मरने में भी सक्षम है।

मैं बस इसे बाहर फेंक देता हूँ। यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हमें सोचना चाहिए क्योंकि हम यह सीखने की कोशिश करते हैं कि अपने दुश्मनों से प्यार करना क्या होता है। हाँ, लूका में समानांतर वास्तव में इस बात को स्पष्ट करता है।

लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ जो सुनते हो, अपने शत्रुओं से प्रेम करो, जो तुमसे घृणा करते हैं उनके साथ भलाई करो, जो तुम्हें शाप देते हैं उन्हें आशीर्वाद दो, जो तुम्हें गाली देते हैं उनके लिए प्रार्थना करो। प्रेम की तुम्हारी परिभाषा क्या है? यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण शब्द है। मुझे लगता है कि इसे परिभाषित करना बहुत कठिन शब्द है।

मेरा मतलब है, भगवान इसे यही कहते हैं। यह प्राथमिक आज्ञा है, है न? भगवान से प्यार करो, अपने पड़ोसी से प्यार करो। प्यार क्या है? मुझे लगता है कि मुझे यह पाइपर से मिला है।

प्यार का मतलब है दूसरों की ज़रूरतों को खुशी-खुशी अपनी ज़रूरतों से ऊपर रखना। यह प्यार की अच्छी परिभाषा है। न कि सिर्फ दूसरों की ज़रूरतों को अपनी ज़रूरतों से आगे रखना।

यह खुशी-खुशी दूसरों की ज़रूरतों को अपनी ज़रूरतों से आगे रखना है। ब्लोमबर्ग इसे दूसरे की भलाई के लिए महंगा आत्म-बलिदान के रूप में परिभाषित करते हैं। लेकिन इसमें खुशी का तत्व होना चाहिए; अन्यथा, यह प्रेम नहीं है।

अगर आपका बच्चा पूरी तरह से आज्ञाकारी हो और कुछ भी नहीं, तो क्या आप कह सकते हैं कि आपका बच्चा आपसे प्यार करता है? मेरा मतलब है, अगर आप उसमें से भावना, खुशी निकाल दें। अगर आपका जीवनसाथी आपके प्रति पूरी तरह से आज्ञाकारी हो, तो क्या आप कहेंगे कि आपका जीवनसाथी आपसे प्यार करता है? नहीं, आप कहेंगे कि आपका जीवनसाथी और आपके बच्चे आपसे डरते हैं। डरे हुए।

आनंद के अलावा और क्या पूर्ण आज्ञाकारिता उत्पन्न कर सकता है? इसलिए, आपको इसमें आनंद का तत्व शामिल करना होगा। और मैंने ऐसी परिभाषाएँ सुनी हैं जैसे कि दूसरों को खुद से ज़्यादा महत्वपूर्ण समझना। खैर, यीशु ने सोचा कि हम उसके लिए ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हम उससे ज़्यादा महत्वपूर्ण नहीं हैं।

इसलिए मुझे यह परिभाषा बहुत पसंद है, दूसरों की ज़रूरतों को खुशी-खुशी अपनी ज़रूरतों से ऊपर रखना। और यह प्रेम उनके लिए प्रार्थना करने की हमारी इच्छा में खुद को दर्शाता है।

बोनहोफ़र कहते हैं, अपने दुश्मनों से प्यार करने का मतलब है कि हम अपने दुश्मनों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर स्वर्ग के सिंहासन कक्ष में अपने स्वर्गीय पिता के सामने अपने दुश्मन के मामले की पैरवी करें।

मुझे नहीं पता कि यह कैसे करना है, लेकिन बोनहोफ़र यही कहते हैं। अपने दुश्मन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर स्वर्ग के सिंहासन कक्ष में चलो और अपने स्वर्गीय पिता के सामने अपने दुश्मन का मामला पेश करो। इसका मतलब यह नहीं है कि हम... दिन में बहुत देर हो चुकी है, संज्ञाएँ... गॉर्डन फी ने मुझसे एक बार कहा था, हमेशा संज्ञाएँ ही सबसे पहले आती हैं।

मुझे इसकी पृष्ठभूमि नहीं पता। गॉर्डन को अल्जाइमर की गंभीर बीमारी है। पिछली बार जब हम साथ थे, तो उसे अल्जाइमर का पता चला था।

और मैं पूछ रहा था, वह अपनी टिप्पणी को फिर से लिखने का काम लगभग पूरा कर चुका था, और मैंने पूछा, भगवान के साथ आपका क्या हाल है? वह सभी लोगों से आपका दिमाग छीन रहा है। शायद आपके शरीर से शुरुआत करना बेहतर होगा क्योंकि गॉर्डन के दिमाग में बहुत कुछ है। और गॉर्डन ने कहा कि यह एक अच्छा दौर रहा है।

अब, क्या यह अविश्वसनीय रूप से बाइबल से संबंधित नहीं है? दूसरा तीमुथियुस। क्या यह जीवन का एक महान मूल्यांकन नहीं है? यह एक अच्छा दौर रहा है। मैं जाने के लिए तैयार हूँ।

यह एक अच्छा दौर रहा है। फिर मैंने उनसे पूछा, क्या आप अपनी टिप्पणी समाप्त करने जा रहे हैं? और उन्होंने कहा, आप जानते हैं, बिल, संज्ञाएँ सबसे पहले समाप्त होती हैं। मैं संज्ञा दोपहर के बारे में नहीं सोच सकता।

तो, मैंने पूछा, "आप क्या करते हैं?" उन्होंने कहा, "मैं सुबह छह बजे उठता हूँ, और दोपहर तक लिखता हूँ, और फिर रुक जाता हूँ। अगर मैं दोपहर के बाद लिखता हूँ, तो अगली सुबह मुझे फिर से सब कुछ लिखना पड़ता है।" तो यही पृष्ठभूमि है।

संज्ञाएँ ही सबसे पहले जाती हैं। वैसे भी, मैं भूल ही गया कि मैं क्या कहना चाह रहा था। अपने दुश्मन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर स्वर्ग के सिंहासन कक्ष में अपने स्वर्गीय पिता के सामने अपने दुश्मन का मामला पेश करें।

इसका मतलब यह नहीं है कि आप विवेकहीन हैं, है न? प्यार कैसा दिखता है, यह व्यक्ति दर व्यक्ति और परिस्थिति दर परिस्थिति अलग-अलग होता है। यौन रूप से दुर्व्यवहार करने वाले पति के साथ प्यार से पेश आने वाली एकमात्र चीज़ जो आपकी बेटी से छेड़छाड़ कर रही है, उसे जेल में डालना या उसे खतरे से बाहर निकालना है। कहानी क्या है? हमारे एक दोस्त थे जिन्हें हम एक पुराने चर्च में जानते थे, जो जेल में थे, अपनी सजा काट चुके थे, बाहर आए और फिर से गिरफ्तार कर लिए गए क्योंकि वह अपार्टमेंट में रियलटर्स से मिल रहे थे, उन पर गैस छिड़क रहे थे और उन्हें जिंदा जला रहे थे।

और वह चर्च में उस जगह पर खड़ा था जिसे हम गवाह स्टैंड कहते थे जहाँ वह अपनी गवाही देता था। उस शुक्रवार को, उसने एक लड़की को जलाकर मारने की कोशिश की और वापस जेल चला गया। और जब आराधना पादरी, जो उसके बहुत करीब है, उसे जेल में देखने गया, तो उसने कहा, तुम्हें पता है, मुझे यहाँ रहना है।

मैं सुरक्षित नहीं हूँ। मैं अपनी बीमारी पर नियंत्रण नहीं रख सकता। मुझे अपनी सुरक्षा की ज़रूरत है।

मैं यहाँ सुरक्षित हूँ। यह एक बहुत ही रोचक टिप्पणी है। जेल मंत्रालय शुरू किया और लोगों को गवाही दी, लोगों को प्रभु के पास पहुँचाया।

उसके लिए बाहर रहना सुरक्षित नहीं था। दूसरे लोगों के लिए, उनके पीड़ितों के लिए बाहर रहना सुरक्षित नहीं है। यही मैं कह रहा हूँ।

अपने शत्रुओं से प्रेम करना सभी प्रकार के अलग-अलग रूप लेने वाला है। इसका मतलब यह नहीं है कि आपको खुद को दुर्व्यवहार के लिए खोलना है। इसका मतलब है कि आपको बुद्धिमान होना चाहिए, आपको विवेकशील होना चाहिए, लेकिन आपको स्वेच्छा से दूसरे व्यक्ति की ज़रूरतों को खुद से आगे रखना होगा, है न? और ऐसा करने का एकमात्र तरीका यह समझना है कि हमारे पिता ने यही किया है, और अगर हम उनके जैसा बनना चाहते हैं तो हमें भी यही करना होगा।

तो, अंतिम आदेश है परिपूर्ण बनो। और फिर, हम स्वर्ग तक कभी परिपूर्ण नहीं हो सकते, लेकिन हम बढ़ सकते हैं, जैसा कि हम पहले बात कर रहे थे, लगातार बढ़ते हुए उपायों में, हम परिपक्वता और पूर्णता और पूर्णता में बढ़ सकते हैं। यीशु हमारे साथ बहुत धैर्यवान है, है न? वह बहुत धैर्यवान है।

और वह हमें धकेलता है, पोषित करता है, अनुशासित करता है, हमें साथ लेकर चलता है, जब हम असफल होते हैं तो वह हमारे साथ होता है, वह हमें ऊपर खींचता है और हमें आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाता है, जब हमें पीटने की ज़रूरत होती है तो वह हमें पीटता है, जब हमें लात मारने की ज़रूरत होती है तो वह हमें लात मारता है, हमेशा आगे बढ़ते हुए। और यही यात्रा का आनंद है। और हम पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं।

किसी दिन, जब हम मरेंगे, हम संपूर्ण और सम्पूर्ण होंगे क्योंकि पाप दूर हो जाएगा। हम कभी भी ईश्वर नहीं बन पाएंगे, लेकिन हम परिपूर्ण होंगे, परिपूर्ण पुरुष और महिला के रूप में, परिपूर्ण लोगों के रूप में। लेकिन मैं ईश्वर की शक्ति से वह सब कुछ करने जा रहा हूँ जो मैं कर सकता हूँ ताकि जितना संभव हो सके उतना करीब पहुँच सकूँ क्योंकि यह यात्रा वास्तव में अच्छी है।

मैं अपनी बेटी के बारे में यह कहकर समाप्त करना चाहता हूँ। कस्टन एक अद्भुत व्यक्ति है, और वह कुछ बहुत ही दर्दनाक अनुभवों से गुज़री है। आज हमला होना उसकी सूची में सबसे ऊपर नहीं है, लेकिन यह उसकी सूची में सबसे ऊपर है, मुझे यकीन है। और कस्टन के बारे में आश्चर्यजनक बात यह है कि पीड़ा या तो हमें ईश्वर से दूर ले जाती है या हमें ईश्वर की ओर ले जाती

है। क्या ऐसा नहीं है? जब मैं कस्टन और उसके साथ हुई घटनाओं और अन्य चीजों को देखता हूँ, तो मैं देखता हूँ कि पीड़ा ने उसे यीशु की ओर ले जाया है।

हालाँकि ऐसा होना एक डरावनी बात थी, लेकिन इससे उसका विश्वास बढ़ेगा क्योंकि वह ऐसी ही है। यह उसे और करीब भी लाएगा। और हाँ, ऐसी कुछ चीजें हो सकती हैं जो हमें चिंतित कर सकती हैं, लेकिन वह पूर्णता की ओर यात्रा पर है।

और भगवान, जैसा कि जॉनी एरिक्सन टाटा कहते हैं, कभी-कभी भगवान उन चीजों को करने की अनुमति देता है जिनसे वह नफरत करता है ताकि वह उन चीजों को पूरा कर सके जो उसे पसंद हैं। और वह उससे प्यार करता है, और वह कठिन परिस्थितियों के बीच में उसे हमेशा बढ़ती पूर्णता के लिए अपने पास खींचने के लिए काम करेगा। यही इस बारे में है।

यह कोई ऐसा काम नहीं है जो करना चाहिए और न करना चाहिए। यह एक ऐसी सूची है जो तब होती है जब हम पूरी तरह से समझ जाते हैं कि हम कौन हैं, और भगवान कौन हैं, और वह हमें किस यात्रा पर ले जाता है। इसलिए हमारी प्रार्थना है कि हम सभी पूर्णता की ओर बढ़ने की यात्रा का आनंद लें।

ठीक है? ठीक है। आप सभी का धन्यवाद। मैं आपकी प्रार्थनाओं की सराहना करता हूँ।

हम प्रार्थना पर भी चर्चा करेंगे, एक और विषय जिस पर कोई धार्मिक प्रश्न नहीं है। इसलिए, हम शायद कल प्रार्थना पर ही चर्चा करेंगे। हम आपसे कल मिलेंगे।

यह डॉ. बिल माउंट्स द्वारा माउंट पर उपदेश देते हुए दिया गया उपदेश है। यह सत्र 8, मत्ती 5:31 और उसके बाद, महान धार्मिकता के कार्य, भाग 3 है।